खबर जो सत्य उगले...

प्रचण्ड समय

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

संपादक - अश्वनी वर्मा
70180-86211
prachandsamay.com

वर्ष-5, अंक-134, पृष्ठ-8, मूल्य- 6 रुपए

आरएनआई नंबर- एचपीएचआईएन/2019/79889

हिमाचल का सबसे तेज बढ़ता अखबार

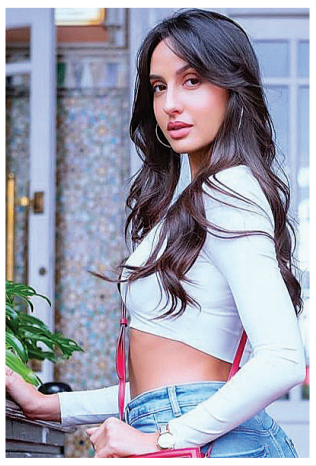

सुविचार

जब जेब में रूपये हो तो दुनिया आपकी औकात देखती है, और जब जेब में रूपये न हो तो दुनिया अपनी औकात दिखाती है!

देखो क्रैक का... पेज-8 | कांग्रेस सरकार ने अपने 15 माह के कार्यकाल में... पेज-6

शिमला, शनिवार, 20 अप्रैल, 2024

क्या आरएस बाली ने भी लोकसभा चुनाव लड़ने से तौबा की या फिर मुख्यमंत्री से चल रही है नाराजगी या अपने इलाके के लिए करना चाहते हैं ब्लेकमेलिंग

अश्वनी वर्मा . शिमला

कांगड़ा संसदीय सीट से चुनाव लड़ने के लिए क्या आरएस बाली ने भी तौबा कर ली है। या फिर उनकी मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू से भी दाल नहीं गल रही है। या अपने इलाके के विकास कार्यों के लिए वे करने लगे हैं ब्लेकमेलिंग। पर इसमें कोई बुराई नहीं है। अपने हलके के लिए विकास कार्य करवाना हर विधायक की प्राथमिकता होनी चाहिए। पर विकास करवाते करवाते कहीं आरएस बाली भी कांग्रेस के बागी विधायकों की तरह भाजपा का दामन न थाम लें।

ये सभी सवाल आरएस बाली के एक पत्र ने खड़े कर दिए हैं। जो संकट से गुजर रही कांग्रेस सरकार के लिए किसी भी हालत में ठीक नहीं कहे जा सकते। उनका यह पत्र कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्कार्जुन खड़गे को लिखा गया है। जसकी प्रतियां सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, वेनुगोपाल, राजीव शुक्ला और मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू को भी भेजी गई हैं। उन्होंने पत्र में साफ कर दिया है कि लोकसभा की कांगड़ा सीट के लिए उन्हें टिकट देने से पहले पूछा जाए। पूछने के पीछे कारण यही कि मेरे अपने विधानसभा के हलके के विकास कार्य कैसे होंगे। इससे यह जाहिर भी हो रहा है कि उनके हलके में विकास कार्य उस तेजी से नहीं हुए हैं जिसकी उन्होंने कल्पना की थी। उन्होंने यह भी कहा है कि उन्होंने अपने इलाके के लिए चुनावों में कोई घोषणा पत्र जारी नहीं किया था। क्योंकि वे काम करने में विश्वास रखते हैं,घोषणाएं करने में नहीं।लेकिन उनका कृतसंकल्प रहा है कि वे अपने पिता जीएस बाली के रुके विकास कार्यों को आगे बढ़ाएं वर अपने हलके के पांच हजार युवाओं को रोजगार दिलवाएं। लोकसभा में जाने से पहले इनके उत्तर आरएस बाली चाहते हैं। यानी वे भी प्रतिभा सिंह, मुकेश अग्निहोत्री की तरह लोकसभा का चुनाव कदाचित लड़ना नहीं चाहते। ऊपर से तुर्रा यह कि पार्टी के आदेश उनके लिए हमेशा सिर माथे रहे हैं। यहां इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि वे सुधीर शर्मा के नक्शे कदम पर भी चल सकते हैं। यानी बागी होकर भाजपा में जा सकते हैं। सुधीर शर्मा भी उनकी तरह कांगड़ा जिले से हैं। पर आरएस बाली के मधुर संबंध मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू से रहे हैं। कांग्रेस जहां देश में डूब रही हो और विधायकों के अपने मुताबिक काम नही हो रहे हो तो डूबते जहाज को कोई भी छोड़ सकता है। भाजपा में जाने का सवाल इसलिए खड़ा हुआ है कि उनका यह पत्र मीडिया में पहुंचने से पहले भाजापा की झोली में पहुंच गया और वहां से ही इस पत्र ने वायरल हेकर प्रचार पाया है। यानी आरएस बाली भाजपा के थिंक टैंक से भी अपने रिश्ते बनाए हुए हैं।

प्रचण्ड समय स्कैंडल सीरियल

लेखक अश्वनी वर्मा

आरएसएस बनाम बीफ

विक्रमादित्य सिंह ने कंगना के बीफ खाने को बड़ा मुद्दा बनाया है। यही वजह है कि वे आरएसएस से पूछ रहे हैं कि आरएसएस को बीफ या गौमांस खाने पर अपना स्टैंड स्पष्ट करना चाहिए। साथ में उन्होंने यह भी कहा है कि उनके आरएसएस के साथ अच्छे संबंध रहे हैं। इन बातों पर कंगना अपना रुख या स्थिति साफ कर चुकी है। हालांकि ये मुद्दे होने नहीं चाहिए कि कौन क्या खाता है या पीता है। पर विक्रमादित्य सिंह ने इसे इस तरह मुद्दा बनाया है कि इससे हिमाचल की संस्कृति दूषित हुई है। आरएसएएस से अपने को जोड़कर अपना विक्रमादित्य सिंह ने स्वयं को नुकसान भी पहुंचाया है। इससे मुस्लिम वोटर उनसे नाराज भी नजर आने लगे हैं। पर क्या इसके अलावा विक्रमादित्य सिंह के पास कोई विकास का मुद्दा नहीं है। अगर हैं तो उन्हें मुखर होकर वे भुनाने की कोशिश कर रहे हैं। दूसरी तरफ विक्रमादित्य सिंह ने यह बात उठाई कि कंगना हिमाचल के नई है। उन्हें यहां बहुत कम लोग जानते हैं। जबकि वे खुद इलाके में रहते हैं और लोगों से वे सीधे रूबरू हैं। पर यह बात भी विक्रमादित्य सिंह को ध्यान में रखना चाहिए कि मुकाबला कांग्रेस का मोदी की भाजपा से है। इसलिए वोट पार्टियों को भी मिलते हैं। कंगना का महज व्यक्तिगत रूप से ही अगर विक्रमादित्य सिंह घेरते रहे तो उन्हें नुकसान भी हो सकता है। मंडी ससंदीय जहां से विक्रमादित्य सिंह चुनाव लड़ रहे हैं, वहां से उनकी मां प्रतिभा सिंह सांसद हैं। वे भी उस समय सांसद बनीं जब प्रदेश में भाजपा सत्तासीन थी। इस सीट पर कांग्रेस पहले ही मजबूत है। अगर विक्रमादित्य सिंह बिन पैंदी के मुद्दों पर अधिक बोलेंगे तो कांग्रेस को लेने के देने भी पड़ सकते हैं।

कंगना के प्रचार के रंग

कंगना के प्रचार के अपने रंग हैं। इन्हीं रंगों के बीच वे खिलिखाती- मुस्कराती नजर आती हैं। वे लोंगं के बीच में जाकर गंभीर मुद्दों को तो उठाती ही हैं लेकिन राह चलते ग्लैमर का तड़का भी वे लगाती नजर आती हैं। रास्ते में बावड़ियों में हाथों से ओक बनाकर ठंडा पानी पीते कंगना नजर आती हैं। राह चलते मौका मिले तो ढाबों पर चाय खुद बनाती हैं। गुज्जरों के दबड़ों में चली जाए तो मेमनों को गोद में उठाने से भी परहेज नहीं करती। जैसे किसी फिल्म की शुटिंग चल रही हो। यही वजह है कि प्रचार में कंगन सबसे आगे नजर आती है।

राज्य सरकार के प्रयासों से शिंकुला टनल को मिली एफसीए क्लीयरेंस : सीएम

प्रचण्ड समय . शिमला

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि राज्य सरकार के प्रयासों से शिंकुला टनल बनने का रास्ता साफ़ हो गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने लाहौल और लद्दाख को जोड़ने के लिए 4.1 किमी सुरंग बनाने को एफसीए क्लीयरेंस प्रदान कर दी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने इस महत्वपूर्ण सुरंग के निर्माण को राज्य सरकार ने प्राथमिकता दी और विशेष अधिकारी नियुक्त कर केंद्र सरकार से स्वीकृती प्रदान करवाई। राज्य सरकार के प्रयासों से ही टनल निर्माण के लिए एफसीए क्लीयरेंस प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि सुरंग के साथ-साथ यहां एक हैलीपैड और कार्यालय परिसर का निर्माण भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि टनल के साउथ पोर्टल के साथ-साथ लगभग 3800 मीटर हिस्सा हिमाचल प्रदेश में बनेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सुरंग के निर्माण से लद्दाख तक सभी मौसम में जाना संभव हो पाएगा और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख तक पहुँचने का यह सबसे छोटा रास्ता होगा। इससे बर्फ़बारी के बीच भी गाड़ियों की आवाजाही हो पाएगी। उन्होंने कहा कि शिंकुला टनल का निर्माण सामरिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण सिद्ध होगा तथा सुरक्षा बलों की आवाजाही सुगम बनेगी। यह टनल समुद्र तल से 4800 मीटर पर शिंकुला दर्रे के नीचे बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि टनल के निर्माण से लाहौल क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बल मिलेगा जिससे क्षेत्र में भी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी और क्षेत्रवासियों के जीवनस्तर में सुधार आएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में टनल के निर्माण को प्राथमिकता दे रही है, ताकि राज्य के निवासियों के साथ-साथ पर्यटकों को बेहतर सुविधाएँ प्राप्त हो सकें।

फतेहपुर के बीएसएफ जवान की नागालैंड में मौत

प्रचण्ड समय . शिमला

विधानसभा फतेहपुर की पंचायत गोलवां के सथेरा निवासी बीएसएफ के जवान हैड कांस्टेबल सुनील कुमार का नागालैंड में अचानक हृदय गति रुकने से निधन हो गया जिससे इलाका में शोक की लहर दौड़ गई। सैनिक सुनील कुमार (41) पुत्र स्व. भान सिंह वर्ष 2002 में बीएसएफ में भर्ती हुए थे। जवान सुनील कुमार की हृदय गति रुकने से हुई अचानक हुई मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। हैड कांस्टेबल सुनील कुमार बीते कुछ महीने पहले ही बेटे को चोट लगने की वजह से छुट्टी लेकर घर आए थे और इलाज उपरांत फिर से ड्यूटी ज्वाइन कर ली थी। सैनिक अपने पीछे 10 वर्षीय बेटा आकर्ष, 5 वर्षीय बेटा समन्यु, पत्नी सुनीता कुमारी व माता पवन कौर छोड़ गए हैं। जवान सुनील कुमार की पत्नी सुनीता कुमारी अपने पति की अचानक मौत से बेहद सदमे में है, वहीं माता पवन कौर का भी रो-रो कर बुरा हाल है। हैड कांस्टेबल सुनील कुमार की पार्थिव देह उनके पैतृक गांव सथेरा में शनिवार को पहुंचने की संभावना है।

इलेक्टोरल बांड बड़ा घोटाला, SC ने खोली पोल

प्रचण्ड समय . शिमला

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने कहा है कि अनिरुद्ध सिंह ने कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड देश के इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला है, जिसकी पोल सुप्रीम कोर्ट ने खोल दी है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने सरकारी एजेंसियों को दुरुपयोग कर कंपनियों से धन की उगाही की और इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए चंदा लिया।

कांग्रेस को भाजपा से परिवारवाद और राष्ट्रवाद का ज्ञान लेने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के दो प्रधानमंत्रियों इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने देश के लिए अपनी जान तक बलिदान कर दी। इससे बड़ा राष्ट्रवाद का उदाहरण देश के इतिहास में और क्या हो सकता है। देश के निर्माण में कांग्रेस के अनेकों नेताओं ने अपना खून और पसीना बहाया है। अनिरुद्ध सिंह ने कहा कि भाजपा को परिवारवाद की परिभाषा पर भी स्पष्टीकरण देना चाहिए। लोकसभा चुनाव में हिमाचल प्रदेश से लेकर पूरे देश में भाजपा के 50 से अधिक उम्मीदवार किसी न किसी राजनीतिक परिवार से आते है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं को अपनी पार्टी का परिवारवाद दिखाई नहीं दे रहा और वह सिर्फ प्रदेश के लोगों को गुमराह करने के लिए बयान दे रहे हैं। भाजपा नेता चुनाव के असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के बयान दे रहे हैं लेकिन कांग्रेस चुनाव असली मुद्दों पर लोगों का ध्यान खींचती रहेगी।

धनबल से सरकार गिराने का प्रयास

मुख्य संसदीय सचिव और प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष संजय अवस्थी ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में हो रहा विकास भाजपा नेताओं को रास नहीं आया, इसीलिए उन्होंने धन की ताकत का इस्तेमाल कर लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार को गिराने की साजिश की। कांग्रेस सरकार से एक साल के विकास का हिसाब मांगने वाले भाजपा के नेता यह भूल गए है कि उनके कार्यकाल में प्रदेश में अव्यवस्था का आलम था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार चरणबद्ध तरीके से प्रदेश के लोगों से किए गए सभी वादों को पूरा कर रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व भाजपा सरकार ने प्रदेश के युवाओं को रोजगार के नाम पर ठगने का ही काम किया। भाजपा सरकार के कार्यकाल में युवाओं को नौकरियां जॉब ऑन सेल के आधार पर दी जा रहीं थीं, जबकि कांग्रेस सरकार ने इस व्यवस्था में परिवर्तन करते हुए युवाओं को पारदर्शी तरीके से रोजगार व स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए।

आपदा के समय कहां थे भाजपा नेता

सातवें राज्य वित्तायोग के अध्यक्ष नंद लाल और मुख्य संसदीय सचिव मोहन लाल ब्राक्टा ने कहा कि जब प्रदेश के लोग मुश्किल वक्त से जूझ रहे थे, तो भाजपा नेता कहां गुम थे। आपदा के दौरान पहले भाजपा नेता विधानसभा सत्र बुलाने की मांग करते रहे और हिमाचल की आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का प्रस्ताव विधानसभा में आया तो भाजपा का कोई भी विधायक प्रभावितों के साथ खड़ा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि आपदा में हिमाचल प्रदेश के लोगों के साथ खड़ा न होना, भाजपा की सबसे बड़ी उपलब्धि थी। यही नहीं, प्रदेश के भाजपा नेता केंद्र सरकार से मिलने वाली आर्थिक सहायता में रोड़े लटकाते रहे। नंद लाल और मोहन लाल ब्राक्टा ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने आपदा प्रभावितों के जख्मों पर मरहम लगाने के लिए अपना खज़ाना खोल दिया और अपने सीमित संसाधनों से 4500 करोड़ रुपए का विशेष राहत पैकेज दिया। उन्होंने कहा कि असहायों का दर्द समझते हुए राज्य सरकार ने प्रभावित परिवारों को राहत देने के लिए नियमों में बदलाव किया। बिना केंद्र सरकार की सहायता के प्रदेश सरकार ने पूरी तरह क्षतिग्रस्त मकान की सहायता राशि को 1.50 लाख से बढ़ाकर 7 लाख रुपए किया। इसके अतिरिक्त बिजली-पानी का कनेक्शन राज्य सरकार फ्री प्रदान कर रही है और घर निर्माण के लिए सीमेंट भी सरकारी दरों पर उपलब्ध करवाया जा रहा है। इसके अलावा कच्चे व पक्के मकान के आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त होने पर दिए जाने वाले राज्य सरकार ने मुआवजे को बढ़ाकर एक लाख रुपए किया गया है।

प्रचण्ड समय

अब रोजाना देखें प्रचण्ड समय का ई-पेपर
www.prachandsamay.com पर

न्यूज ब्रीफ..

मंडी संसदीय सीट पर जीत को लेकर कांग्रेस ने बनाई शिमला में रणनीति

प्रचण्ड समय

शिमला . लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए कांग्रेस पार्टी जमीनी स्तर पर काम करने में जुट गई है। इस कड़ी में कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन शिमला में शुक्रवार को मंडी संसदीय सीट को लेकर बैठक कर रणनीति बनाई गई। मंडी लोकसभा सीट पर कांग्रेस के विक्रमादित्य सिंह का मुकाबला भाजपा की कंगना रनौत से है।

कांग्रेस द्वारा इस सीट पर रणनीति बनाने के लिए बुलाई गई बैठक में मंडी संसदीय सीट के प्रभारी संजय दत्त, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा सिंह, मंडी से कांग्रेस प्रत्याशी विक्रमादित्य सिंह के अलावा मंडी के वर्तमान व पूर्व विधायक सहित अन्य पदाधिकारी इस बैठक में मौजूद रहे। बैठक में मंडी सीट पर किन मुद्दों को लेकर जनता के बीच में जाकर भाजपा को घेरना है, इसको लेकर रणनीति तैयार की गई। इस दौरान मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि मंडी संसदीय सीट के लिए कार्यकर्ताओं से फीडबैक लेकर रणनीति तैयार की जाएगी। सरकार के 15 महीने के कार्य को लेकर जनता के बीच में जाएंगे। कांग्रेस सरकार ने महिलाओं को उनके अधिकार देने का काम किया है। सीएम सुक्खू ने कहा कि इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि का फॉर्म भरने को चुनाव आयोग ने मंजूरी दे दी है। महिलाएं तहसील कल्याण कार्यालय जाकर आवेदन कर सकती हैं जिसके बाद उन्हें इसका लाभ जून से मिलना शुरू हो जाएगा। मंडी सीट से कांग्रेस प्रत्याशी एवं लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर और कंगना रनौत पर निशाना साधा। विक्रमादित्य सिंह ने कहा की जयराम ठाकुर मजबूरी में ओपीएस सपोर्ट कर रहे हैं जबकि अन्य राज्यों में भाजपा ने ओपीएस को बंद करने का काम किया है। जयराम ठाकुर इसको लेकर दोहरा रवैया अपना रहे हैं। विक्रमादित्य सिंह ने एक बार फिर आरएसएस और वीएचपी से आग्रह किया और कहा कि हिमाचल में सनातन संस्कृति को बचाने के लिए अपनी दखल दे। मंडी से भाजपा प्रत्याशी किस खान पान को बढ़ावा दे रही है उसको लेकर भाजपा ने अपने मुंह में टेप लगा दी है। इसलिए आरएसएस के संचालक मोहन भागवत इस पर संज्ञान ले कि हिमाचल प्रदेश में किस प्रकार की संस्कृति को बढ़ावा दिया जा रहा है। बैठक में पहुंची प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी चुनाव लड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार है। कार्यकर्ताओं को एकजुट करके जल्द ही बची दो लोकसभा सीटों और उपचुनाव के लिए प्रत्याशियों की घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा कि कल शनिवार को शिमला संसदीय सीट को लेकर नहीं पार्टी मंथन और रणनीति तैयार करेगी।

हरियाणा में बीस मतदाता शतायु पार

प्रचण्ड समय

राजेंद्र सिंह जादौन, चंडीगढ़ . हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग अग्रवाल ने कहा कि 18वीं लोकसभा 2024 के आम चुनाव शुक्रवार से शुरू होने के साथ ही चुनाव का पर्व, देश का गर्व महोत्सव शुरू हो गया है। हरियाणा में 25 मई को छठे चरण के चुनाव होने हैं। बुजुर्ग एवं युवा मतदाताओं व विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ठ उपलब्धि हासिल करने वालों को जिला चुनाव आईकान बनाया गया है, जिनका उद्देश्य पिछले लोकसभा चुनाव में हुए मतदान प्रतिशत को बढ़ाना है। उन्होंने बताया कि पलवल जिले के धर्मवीर हरियाणा में 118 आयु वर्ष के सबसे बुजुर्ग मतदाता हैं। इसी तरह से सिरसा जिले की बलबीर कौर 117 वर्ष, सोनीपत जिले की भगवानी 116 वर्ष, पानीपत जिले के लक्खीशेक 115 वर्ष, रोहतक जिले की चंद्रो कौर 112 वर्ष, फतेहाबाद जिले की रानी 112 वर्ष, कुरुक्षेत्र जिले की अंती देवी, सरजीत कौर व चोबी देवी 111-111 वर्ष की हैं। इसी प्रकार से रेवाड़ी जिले की नारायणी 110 वर्ष, कैथल जिले की फुल्ला 109 वर्ष, फरीदाबाद जिले की चंदेरी देवी 109 वर्ष, जींद जिले की रामदेवी 108 वर्ष, नूंह जिले के हरि 108 वर्ष, झज्जर जिले की मेवा देवी 106 वर्ष, करनाल के गुलजार सिंह 107 वर्ष, हिसार जिले के शदकीन व श्रीराम और चरखी-दादरी जिले की गिना देवी 106-106 वर्ष की मतदाता हैं। उन्होंने बताया कि भिवानी जिले की हरदेई 103 वर्ष तथा यमुनानगर की फूलवती 100 वर्ष की मतदाता हैं अग्रवाल ने मीडिया का आह्वान किया है कि वे ऐसे बुजुर्ग मतदाताओं के इंटरव्यू प्रकाशित व प्रसारित करें, ताकि युवा मतदाता उनसे प्रेरित हो सकें। अग्रवाल ने बताया कि एशियाई गेम्स 2023 में निशानेबाजी में स्वर्ण पदक विजेता पलक को झज्जर जिले के लिए, 19वें एशियाई गेम्स में निशानेबाजी में रजत पदक विजेता आदर्श सिंह को फरीदाबाद जिले के लिए, 19वें सीनियर पैरा पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में तीसरा स्थान प्राप्त करने वाली सुमन देवी व भोपाल में हुई नेशनल स्कूल गेम्स में राज्य की टीम की खिलाड़ी याशिका को पानीपत जिले के लिए तथा 19वें एशियाई गेम्स में निशानेबाजी में रजत पदक विजेता सरबजोत सिंह को अंबाला जिले के लिए आइकॉन बनाया गया है।

जीटी रोड के गढ़ बचाने के लिए भाजपा ने पूरी सरकार ही बदल दी

राजेंद्र सिंह जादौन . चंडीगढ़

हरियाणा के जीटी बेल्ट में भाजपा ने तीन गढ़ बसाए है। पिछले दो लोकसभा चुनाव में जीटी बेल्ट की तीन लोकसभा सीटों अंबाला, कुरुक्षेत्र और करनाल में भाजपा ने न सिर्फ जीत दर्ज की, बल्कि अपने वोट शेयर में जबरदस्त बढ़ोतरी कर इन्हे गढ़ में बदल दिया। इन गढ़ों को बचाने के लिए भाजपा ने प्रत्याशी बदले तो मुख्यमंत्री ही बदल दिया। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस भाजपा की हैट्रिक रोकने के लिए कोई कसर छोड़ना नहीं चाहती। हालांकि कांग्रेस अभी तक अपने उम्मीदवार घोषित नहीं कर पाई। पार्टी का कहना है कि एक दो दिन में उसके उम्मीदवार मैदान में आ जाएंगे। उम्मीदवार आने के बाद चुनावी मैदान की तस्वीर और साफ हो सकेगी।

पिछले दो लोकसभा चुनाव में पार्टी ने इन तीनों लोकसभा सीटों पर भारी अंतर से जीत दर्ज की है। अंबाला लोकसभा सीट पर 2009 में भाजपा का वोट शेयर 35 फीसदी था, जो 2014 में बढ़कर 50.5 फीसदी और 2019 में सात फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 57 फीसदी पर पहुंच गया। यानी आधे से ज्यादा मतदाताओं ने भाजपा के पक्ष में मतदान किया। वहीं, कांग्रेस को 2014 में 22.4 फीसदी और 2019 में 30.9 फीसदी मत मिले। इसी तरह से कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट पर भी भाजपा ने बढ़त बनाए रखी।

2014 के चुनाव में भाजपा को करीब 37 फीसदी और 2019 में 56 फीसदी मत हासिल हुए, जो विपक्षी दल कांग्रेस के मुकाबले दो गुने थे। कांग्रेस को 2014 में 25.4 फीसदी और 2019 में 24.8 फीसदी मत मिले। करनाल में भाजपा की जीत का अंतर और बढ़ जाता है। करनाल लोकसभा क्षेत्र में भाजपा को 2014 में 50 फीसदी और 2019 में 70 फीसदी वोट मिले जो कांग्रेस के मुकाबले तीन गुना ज्यादा हैं। 2019 के विधानसभा चुनाव में जीटी रोड पर आने वाले 14 विधानसभा क्षेत्रों में से नौ पर भाजपा ने जीत हासिल की थी। वहीं, इन सीटों पर जाटों के मुकाबले गैर जाट आबादी ज्यादा है। ऐसा माना जाता रहा है कि गैर जाट मतदाता भाजपा का पारंपरिक वोट बैंक है। भाजपा ने इन गढ़ों को बचाने के लिए पिछले महीने जब नई सरकार का गठन किया तो इन तीनों लोकसभा सीटों पर ही फोकस किया गया। अंबाला और करनाल लोकसभा सीट को सबसे मजबूत बनाया गया। सीएम नायब सिंह

प्रचण्ड समय

सैनी मूलरूप से अंबाला के रहने वाले हैं और वह 2014 में नारायणगढ़ से विधायक रह चुके हैं। यमुनानगर के जगाधरी से विधायक कंवरपाल गुर्जर को कैबिनेट में नंबर दो का मंत्री बनाया है। अंबाला सिटी के विधायक असीम गोयल को मंत्री बनाया। पंचकूला के विधायक ज्ञानचंद गुप्ता पहले से विधानसभा अध्यक्ष हैं। करनाल लोकसभा क्षेत्र में आने वाले पानीपत ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र से विधायक महिपाल ढांडा को राज्यमंत्री बनाया गया। नायब सिंह को करनाल विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाकर जिले का सीएम सिटी का दर्ज बरकरार रखा गया। वहीं, पूर्व सीएम मनोहर लाल को करनाल लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाकर इस सीट को और मजबूत करने की कोशिश की गई है। कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट के सांसद रहे नायब सिंह सैनी को सीएम बना दिया गया। वहीं, थानेसर के विधायक सुभाष सुधा को राज्य मंत्री बनाकर अन्य इलाकों को साधने की कोशिश की गई है।

भाजपा को सत्ता विरोधी लहर से निपटना है। पार्टी ने इसे भांप कर न सिर्फ सीएम चेहरा बदला, बल्कि करनाल और कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट से उम्मीदवार भी बदल दिए। जबकि 2019 के चुनाव में भाजपा ने इन दोनों सीटों पर रिकॉर्ड मतों से जीत हासिल की थी। पार्टी ने करनाल से पूर्व सीएम मनोहर लाल को मैदान में उतारा है, जबकि कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट से नवीन जिंदल पर दांव लगाया है। हालांकि अब देखना होगा कि चेहरा बदलने से सत्ता विरोधी लहर को कम करने में पार्टी को कितनी कामयाबी मिलती है। वहीं, अंबाला लोकसभा सीट पर भाजपा बंतो कटारिया को उतारकर स्व. सांसद रतनलाल कटारिया की सहानुभूति लेने की कोशिश में जुटी है।

पांच महीने बाद हरियाणा में विधानसभा के चुनाव होने हैं। पार्टी का लोकसभा में जैसा भी प्रदर्शन रहता है, उसका असर विधानसभा में पड़ना तय है। इसीलिए भाजपा ने 2024 में राज्य की सभी दसों लोकसभा सीट पर कमल खिलाने का लक्ष्य तय कर रखा है। पार्टी लोकसभा की सभी सीटों पर जीत दर्ज करती है तो विधानसभा चुनाव का रास्ता उसके लिए आसान हो जाएगा। मगर जिस तरह का सियासी मिजाज है और जो सर्वे रिपोर्ट आ रही हैं उसमें भाजपा के लिए दसों सीटों पर प्रदर्शन दोहराना आसान नहीं है।

रोहतक का गढ़ फिर फतह करने की कोशिश में जुटे है दीपेंद्र हुड्डा

राजेंद्र सिंघ जादौन . चंडीगढ़

हरियाणा कांग्रेस की कमान संभाले पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा के लिए इस लोकसभा चुनाव में अपना खोया हुआ गढ़ रोहतक यानी रोहतक लोकसभा सीट को फिर से हासिल करने की बड़ी चुनौती है।हुड्डा अगर रोहतक लोकसभा सीट पर अपने पुत्र दीपेंद्र हुड्डा को विजय दिलाने में सफल रहते है तो वे आगे विधानसभा चुनावों में भी सफलता की उम्मीद कर सकते है।रोहतक गढ़ के संघर्ष में भाजपा के अरविंद शर्मा की ताकत मोदी सरकार का दस साल का कामकाज है।

हरियाणा की देशवाली जाट बेल्ट भूपेंद्र हुड्डा का प्रभाव क्षेत्र रहा है।रोहतक,सोनीपत,झज्जर इसी क्षेत्र में आते है।वर्ष 2019के लोकसभा चुनाव में दीपेंद्र हुड्डा भाजपा के अरविंद शर्मा के मुकाबले रोहतक सीट हार गए थे।इसके बाद उन्होंने राज्यसभा का रास्ता चुना और अभी राज्यसभा सदस्य है। इस बार फिर दीपेंद्र हुड्डा की रोहतक लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी है। पार्टी हाई कमान की ओर से सिर्फ ओपचारिक ऐलान ही बाकी है।रोहतक लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व लम्बे समय हुड्डा परिवार ने ही किया।दीपेंद्र हुड्डा के दादा रणबीर हुड्डा ने देश के पहले आम चुनाव में 1952में कांग्रेस के टिकट पर यह सीट जीती थी।इसके बाद 1957के आम चुनाव में भी कांग्रेस के टिकट पर रणबीर हुड्डा ही जीते थे। इसके बाद 1991,1996 और 1998में दीपेंद्र के पिता भूपेंद्र हुड्डा जीते थे।भूपेंद्र हुड्डा 2004में भी रोहतक सीट से लोकसभा गए। वर्ष 2005से 2019तक दीपेंद्र हुड्डा लोकसभा में रहे।

इस बार दीपेंद्र के पक्ष में यह बात है कि भाजपा ने लगातार दूसरी बार अरविंद शर्मा को ही उम्मीदवार बनाया है।इसके चलते दीपेंद्र हुड्डा को

प्रचण्ड समय

मालूम है कि अरविंद शर्मा के मुकाबले उन्हें कहा स्थिति मजबूत करने की जरूरत है। दरअसल वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में दीपेंद्र की हार की सबसे बड़ी वजह कोसली विधानसभा क्षेत्र में बड़े अंतर से पिछड़ना रहा।. इस बार दीपेंद्र हुड्डा सबसे पहले कोसली में ही अपने समीकरण दुरुस्त करने पर सबसे ज्यादा जोर दे रहे है।. हलके में दीपेंद्र की सक्रियता और अरविंद शर्मा की पूरी तरह गैरहाजिरी कोसली के समीकरण बदलने के लिए काफी है।. ऊपर से अरविंद शर्मा के पास कोसली में करवाया गया काम का कोई लेखा-जोखा नहीं है।कोसली क्षेत्र के अन्य दलों के प्रमुख नेता कांग्रेस में शामिल हो गए है।

एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि इस बार रामपुरा हाउस पहले की तरह बीजेपी के लिए जोर नहीं लगाएगा। क्योंकि जिस तरह पार्टी ने हरियाणा कैबिनेट विस्तार में राव इंद्रजीत सिंह की अनदेखी की है, उससे रामपुरा हाउस की नाराजगी स्पष्ट है.। पिछली बार कोसली के लोगों में यह भी चर्चाएं चलाई गई थी कि राव इंद्रजीत सिंह को भाजपा मुख्यमंत्री बना सकती है. इसलिए अहीरों ने बीजेपी को एक तरफा वोट की थी।. लेकिन इस बार यह भ्रम भी खत्म हो चुका है.

रोहतक, कलानौर, झज्जर, बहादुरगढ़ शहर में दीपेंद्र हुड्डा ने इस बार बड़ी सभाएं करने की बजाय डोर टू डोर प्रचार का रास्ता अपनाया है। खास तौर पर पंजाबी, बनिया, ब्राह्मण, एससी व ओबीसी मतदाताओं के मोहल्ले और मार्केट में वह लगातार एक साल से एक-एक आदमी से जाकर मिल रहे हैं।

मनोहर लाल खट्टर को मुख्यमंत्री पद से हटाने के बाद बड़े पंजाबी तबके का बीजेपी से मोहभंग हुआ है। अनिल विज को दरकिनार करके भी बीजेपी ने पंजाबी समाज की नाराजगी मोल ली है। ऊपर से अरविंद शर्मा को फिर से प्रत्याशी बनाकर मनीष ग्रोवर को भी बीजेपी ने बड़ा झटका दिया है।. अरविंद शर्मा मंच से मनीष ग्रोवर और मनोहर लाल खट्टर सरकार के ऊपर सैकड़ो करोड़ के घोटाले का आरोप लगा चुके हैं।

पिछली बार अरविंद शर्मा को ब्राह्मणों के एकतरफा वोट मिले थे।. ब्राह्मणों को भी उम्मीद रही होगी कि उनके कुछ काम जरूर होंगे। लेकिन बीजेपी ने ब्राह्मणों को पूरी तरह नाराज किया। पहरावर जमीन गौड ब्राह्मण ट्रस्ट से छीनने की कोशिश ने भी बीजेपी से ब्राह्मणों का मोह भंग करने में बड़ी भूमिका निभाई। बीजेपी सरकार ने ब्राह्मणों से धौली की जमीन छीनने की भी कोशिश की।इसीलिए लगातार ब्राह्मण समाज सम्मेलन करके इस बार बीजेपी को सबक सिखाने का ऐलान कर रहा है. पिछले 6 महीने के भीतर रोहतक लोकसभा क्षेत्र में 8 से 10 बड़े ब्राह्मण सम्मेलन हो चुके हैं, जिन में हुड्डा पिता पुत्र बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए।इसी तरह ओबीसी, मनरेगा मजदूर, वाल्मीकि सम्मेलन, अंबेडकर जयंती, संविधान बचाओ रैली, संत रविदास सम्मेलन समेत कई ऐसे बड़े आयोजन हुए हैं, जिसमें एससी और ओबीसी का खासा समर्थन दीपेंद्र हुड्डा को मिला है।

न्यूज ब्रीफ..

सुजानपुर विधानसभा सीट पर 10 साल बाद दोहराया जा रहा इतिहास, राजेन्द्र राणा बदल चुके हैं पाला

प्रचण्ड समय

राजेंद्र सिंह जादौन, चंडीगढ़ . हिमाचल प्रदेश में पहली जून को लोकसभा चुनाव के साथ छह विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होंगे। सबकी नजर हमीरपुर जिला की सुजानपुर सीट पर लगी है। पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल के गृह क्षेत्र की इस सीट पर कांग्रेस के बागी पूर्व विधायक राजेन्द्र राणा भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस ने अभी अपने उम्मीदवार का एलान नहीं किया है। एक दशक बाद फिर इस सीट पर 10 साल पुरानी परिस्थितियों बन गई हैं। यू कहां जाए कि सुजानपुर विधानसभा सीट पर इतिहास फिर से दोहराया जा रहा है। दरअसल, सुजानपुर में वर्ष 2014 में विधानसभा उपचुनाव हुआ था और उस समय प्रदेश की सत्ता पर कांग्रेस काबिज थी। उस समय कांग्रेस ने सुजानपुर से निर्दलीय विधायक रहे राजेंद्र राणा को हमीरपुर संसदीय सीट पर अनुराग ठाकुर के मुकाबले चुनाव मैदान में उतारा था और उनकी धर्मपत्नी को सुजानपुर से टिकट दी थी। अब 10 साल बाद सत्ताधारी कांग्रेस सरकार में दोबारा इसी सीट पर उपचुनाव हो रहे हैं और इस बार राजेंद्र राणा स्वयं चुनाव मैदान में है। फर्क सिर्फ इतना है कि वह भाजपा की टिकट पर उपचुनाव लड़ रहे हैं। 10 साल पहले राजेन्द्र राणा सुजानपुर सीट पर कांग्रेस के लिए प्रचार कर रहे थे और अब भाजपा की तरफ से प्रचार कर अपने लिए वोट मांग रहे हैं।

वर्ष 2014 में सुजानपुर विधानसभा उपचुनाव के नतीजों पर गौर करें तो राजेन्द्र राणा की धर्मपत्नी भाजपा के नरेंद्र ठाकुर से करीबी मुकाबले में हार गई थीं। इसी तरह राजेन्द्र राणा को भी हमीरपुर लोकसभा सीट पर हार मिली थी। लोकसभा की सभी चारों सीटों पर भी भाजपा ने धमाकेदार जीत दर्ज की थी। उस वक्त प्रदेश की सत्ता पर कांग्रेस विराजमान थी। एक दशक बाद दोबारा यही परिस्थिति बन गई है। सुजानपुर में फिर से विधानसभा उपचुनाव हो रहे हैं। इसके अलावा अन्य पांच सीटों पर विस उपचुनाव और चार सीटों पर लोकसभा चुनाव होंगे। इस समय प्रदेश की सत्ता पर कांग्रेस का कब्जा है। एक दशक पूर्व कांग्रेस के कदावर नेता वीरभद्र सिंह मुख्यमंत्री थे तो अब मुख्यमंत्री की कुर्सी पर कांग्रेस के ही सुखविंदर सिंह सुक्खू हैं। अब देखना यह होगा कि क्या इस बार भी मोदी लहर में लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा उपचुनाव में भाजपा अपना परचम लहराएगा या कांग्रेस भाजपा को चारों खाने चित करेगी।

राजेन्द्र राणा की वजह से चर्चित हुई सुजानपुर सीट

सुजानपुर सीट राजेंद्र राणा की वजह से चर्चित हुई है। राजेंद्र राणा कभी पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल के करीबी थे। वह धूमल के मीडिया सलाहकार भी रह चुके हैं। लेकिन बाद में धूमल के साथ अनबन की वजह से उन्होंने भाजपा से किनारा किया और वर्ष 2012 का विधानसभा चुनाव निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर लड़ा। अपने पहले चुनाव में राजेंद्र राणा ने कांग्रेस और भाजपा उम्मीदवारों को बड़े मतों से हराया और पहली बार विधानसभा पहुंचे।

हालांकि दो वर्ष बाद राजेंद्र राणा ने निर्दलीय विधायक के पद से इस्तीफा देते हुए कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस ने उन्हें 2014 की लोकसभा चुनाव में अपना उम्मीदवार बनाया और हमीरपुर से अनुराग ठाकुर के मुकाबले में उतारा। राजेंद्र राणा के इस्तीफा से खाली हुई सुजानपुर सीट पर होने वाले उपचुनाव में कांग्रेस ने उनकी धर्मपत्नी को टिकट दिया हालांकि चुनाव में दोनों को हार का सामना करना पड़ा। 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने प्रेम कुमार धूमल को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित किया। धूमल का मुकाबला सुजानपुर सीट पर कांग्रेस के राजेन्द्र राणा से हुआ और राणा ने धूमल को पराजित कर सियासी सनसनी मचा दी। 2022 में राजेंद्र राणा तीसरी बार सुजानपुर से विधायक बने। पिछले दिनों राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग के बाद स्पीकर ने उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया। राजेन्द्र राणा हाल ही में भाजपा में शामिल हुए हैं। भाजपा ने उन्हें सुजानपुर विधानसभा उपचुनाव में टिकट दिया है।

महिला उत्थान के लिए जो कार्य मोदी सरकार ने 10 वर्षा में किये वो कांग्रेस पार्टी 50 वर्षों के शासन में भी नहीं कर पाई : बिंदल

प्रचण्ड समय . शिमला

रामपुर में जनसभा को सम्बोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 राजीव बिन्दल ने कहा कि महिला उत्थान की दृष्टि से जो कार्य नरेन्द्र भाई मोदी की सरकार ने विगत 10 वर्षा में किये वो कांग्रेस पार्टी 50 वर्षों के शासन में भी नहीं कर पाई। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में स्वयं सहायता समूहों को भारी मात्रा में सहयोग करते हुए एक करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाया गया और 4 करोड़ बहनों को इस आगामी समय में लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा है। 10 करोड़ बहनों को स्वयं सहायता समूहो के माध्यम से सर्विस सैक्टर में शामिल करते हुए आत्मनिर्भर करने का प्रयास जारी है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसी महत्वकांक्षी योजना को चलाकर जनसंख्या अनुपात को बराबर करने में अहम भूमिका निभाई गई है। महिलाओं को सिविल ऐवियेशन सैक्टर में, रक्षा क्षेत्र में, वायु सेना में, नेवी में महत्वपूर्ण स्थान देते हुए महिलाओं का सम्मान बढ़ाया।

लोकसभा व विधान सभाओं में 33 प्रतिशत महिलाओं को आरक्षण का प्रावधान करना बदलते भारत की नींव साबित होगा।

डॉ0 बिन्दल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने और इनके इंडी गठबंधन के साथियों ने महिला आरक्षण विधेयक को अटकाया, लटकाया व भटकाया जिसके कारण 40 वर्ष पहले जो विधेयक पारित होना चाहिए था वह न हो पाया और इसका सम्पूर्ण दोष कांग्रेस पार्टी, सोनिया गांधी, राहुल गांधी और स्व0 राजीव गांधी को जाता है और इसे पारित कराने के लिए देश नरेन्द्र भाई मोदी का सदा आभारी रहेगा।

डॉ0 बिन्दल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने देश के मान बिन्दुओं के साथ खिलवाड़ किया। देश के इतिहास को गलत तरीके से प्रस्तुत किया। भारत के महान नेता महाराणा प्रताप, शिवाजी महाराज, रानी झांसी, बिरसा मुंडा, डॉ0 भीमराव अम्बेडकर, सरदार वल्लभ भाई पटेल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, स्वतंत्र वीर सावरकर सरीखे बलिदानियों के बलिदान को नकारते हुए केवल नेहरू-गांधी परिवार को सारा यश और कीर्ति देते हुए देश के इतिहास को विकृत किया। नरेन्द्र भाई मोदी ने नेता जी की प्रतिमा को कर्तव्य पथ पर स्थापित कर सम्मान दिया। भीमराव अम्बेडकर के पंच तीर्थों का निर्माण किया, अंडेमान-निकोबार द्वीप समूह को जहां स्वतंत्र वीर सावरकर की यादगार के रूप में प्रस्तुत किया वहीं वहां के अनेक उप महाद्वीपों को भारत के सेना नायकों के नाम पर रखकर बलिदानी सैनिकों को सम्मान दिया। सरदार वल्लभ भाई पटेल की भव्य प्रतिमा बनाकर उन्हें विश्व प्रसिद्ध किया। गुरू गोविन्द सिंह जी महाराज के चारों पुत्रों के बलिदान को नमन करते हुए देशभर में बलिदान दिवस, वीर बाल दिवस के रूप में मनाना प्रारंभ किया। देश की विरासत को गौरवान्वित करते हुए करतारपुर कॉरिडोर का निर्माण किया, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का निर्माण किया और भारत की आत्मा श्रीराम जन्म स्थान पर भव्य राम मंदिर का निर्माण किया।

डॉ0 बिन्दल ने कहा कि अपने परिवार को चमकाने के लिए कांग्रेस ने देश के इतिहास को बिगाड़ कर अन्याय किया, पाप किया जिसे कभी क्षमा नहीं किया जा सकता।

वर्तमान कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में सभी वर्ग दुखी : कश्यप

प्रचण्ड समय . रोहड़

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद सुरेश कश्यप ने रोहड़ू विधानसभा क्षेत्र में 6 जनसभाओं को संबोधित किया।

सुरेश कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के होते हुए किसी देश की हिम्मत नहीं कि भारत पर आंख भी उठाकर देख ले आज भारत एक शक्तिशाली देश बनकर उभरा है और यह केवल इसीलिए संभव है क्युकी हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी है।

उन्होंने कहा कि हमारा देश एक मजबूत राष्ट्र बन के उपग्रह है। आज के वर्तमान समय में जम्मू कश्मीर, उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में भी आंतरिक सुरक्षा बड़ी है पूरे देश से गुंडाराज समापन की ओर बढ़ रहा है और आज देश के बड़े बड़े गुंडे

स्वयं कह रहे हैं कि हमें जेल में डाल दो क्योंकि जेल ज्यादा सुरक्षित है।

उन्होंने कहा की बिजली बोर्ड से रिटायर कर्मचारी मांगें पूरी न होने की वजह से नाराज चल रहे हैं। वर्तमान कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में सभी वर्ग दुखी है और अपने हकों का इंतजार कर रहे हैं। बिजली बोर्ड से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को मेडिकल के लंबित बिल का भुगतान नहीं हो पाया है।

कर्मचारी लगातार सरकार के समक्ष यह मांग उठाते रहे हैं, लेकिन इसका समाधान समय रहते नहीं हो पाया।

यह सरकार पिछले 15 महीने में कुछ नहीं कर पाई है केवल मात्र जनता को झूठे सपने दिखा रही है।

उन्होंने जनता से आशीर्वाद मांगते हुए कहा कि मुझे पूरी आशा है कि आप एक बार फिर कमल का बटन दबाकर भारतीय जनता पार्टी को जलाएंगे और शिमला संसदीय क्षेत्र से भाजपा को बड़ी लीड दिलाते हुए जीत की ओर बढ़ने का कार्य करेंगे, आपका वोट देशहित में है।

भोजिया में हुआ टीचर ट्रेनिंग कार्यक्रम

प्रवीण शर्मा . बद्दी

भोजिया डेंटल कॉलेज एंड अस्पताल में एक दिवसीय टीचर ट्रेनिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।सी. डी.ई. कार्यक्रम के तहत डाक्टर अभिनव सिन्हा और डाक्टर कृष्ण चंद्रा साहू ने वर्चुअल प्लेटफार्म के माध्यम से जागरूक किया। डिपार्टमेंट ऑफ परियोडोटोलाजी एवम डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक एंड हेल्थ से विनीत गोयल और डाक्टर अभिजीत अवस्थी ने यह कार्यक्रम का आयोजन कैम्पस में करवाया। प्रिंसिपल डाक्टर गीता कालरा के फैकल्टी मेंबर्स एवम पोस्ट ग्रेजुएट के छात्र मौजूद रहे।

ज़िला निर्वाचन अधिकारी ने नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण किया

प्रचण्ड समय . सोलन

ज़िला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने आज ज़िला मुख्यालय स्थित जी.पी. एस. निगरानी के लिए स्थापित नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण किया। यह कक्ष आदर्श आचार संहिता की अनुपालना के लिए गठित उड़न दस्तों की निगरानी का कार्य करता है। मनमोहन शर्मा ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन-2024 के दृष्टिगत सोलन ज़िला में आदर्श आचार संहिता की अक्षरशः अनुपालना सुनिश्चित की जा रही है।

ज़िला में स्थित सभी पांच विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में तीन-तीन उड़न दस्ते गठित किए गए हैं। यह उड़न दस्ते आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन व उसके समरूप शिकायत की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करने, असामाजिक तत्वों की गतिविधियों, मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए नकदी के वितरण, अवैध शराब के वितरण एवं अन्य कोई भी संदेहास्पद वस्तुएं जिनसे मतदाताओं को प्रभावित करने की सम्भावना हो, उसकी निगरानी एवं उस पर त्वतिर कार्रवाई के लिए गठित किए गए हैं।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सोलन गौरव सिंह व पुलिस अधीक्षक बद्दी इल्मा अफ़रोज़, अतिरिक्त उपायुक्त सोलन अजय कुमार यादव, नायब तहसीलदार निर्वाचन दीवान सिंह ठाकुर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव 2024 एक एतिहासिक रिकॉर्ड के साथ चुनाव प्रचार एवं मतदान का प्रतिशत दिख रहा है

चुनाव जन जागृति का उत्सव

प्रो.(डॉ) कृष्ण कुमार रतू

हिंदी पंजाबी के सुपरिचित लेखक एवं मीडिया विशेषज्ञ

सुप्रसिद्ध लेखक प्रो डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू जयपुर में अपना मतदान भारतीय लोकतंत्र को समर्पित करने के बाद

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का चुनाव 2024 लोकतंत्र और मतदान का सब महोत्सव जो लोकसच्चाई को इस लोक शतंत्र में उसको दिखा रहा है ।

इसमें जिस जोश के साथ मतदान हुआ है और जिस जनून के साथ भारतीय लोकतांत्रिक जन भावना मर्यादा के तहत अपने मतदान का प्रतिशत बढ़ाया हैं तथा मतदान को बहुत-बहुत बधाई है। इस में नयी पीढ़ी की भूमिका मीडिया की भूमिका तो है।

मतदान उत्साहवर्धक है ।

यह कार्य भारत का निर्वाचन आयोग करता है। इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया का है यह काम जिसमें इस बार उसने अपनी धुआंधार प्रचार प्रसार जन जागृति मतदान के भक्ति सजगत्ता एवं राजनीतिक दलों ने और मीडिया डिटेल तकनीक अपना करके नई शैली की प्रक्रिया को जन्म दिया है वह अद्भुत और चौंकाने वाला है और इसको भारत के सिदूर उत्तर पूर्व में छोटे राज्यों से लेकर राजस्थान जैसे बड़े राज्यों के गर्मी की उमस के साथ मतदान प्रतिशत में हुआ है ।

वह दिखाता है कि भारतीय मतदाता का चुनाव के प्रति क्या रुझान रहा है। इसमें सबसे ज्यादा श्रेय लोगों को तो जाता ही है और उसके साथ-साथ राजनीतिक दलों की की प्रतिनिधित्व एवं भारतीय चुनाव आयोग की संप्रेषण की नीति के मतदान आपका अधिकार है उस संदेश को लोगों तक पहुंचाया है तथा इसके लिए उन्होंने जिस तरह के प्रयोग किए हैं उसकी एक पूरी डिटेल सरकार के नियम तथा उत्तर के साथ जहां प्रस्तुत की जा रही है । इस चुनाव में जिसके चलते हुए यह मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी हुई है जो बेहद उत्साहजनक है लोगों में जितनी बड़ी भागीदारी लोकतंत्र की वोट की होगी मतदान की होगी उतना ही आपका लोकतंत्र मजबूत होगा ।

नीचे हम भारतीय निर्वाचन आयोग के वह कायदे नियम तथा उनके प्रबंधन की एक बानगी दे रहे हैं जो जिनको भारतीय निर्वाचन ने जो अपने अपनी वेबसाइट पर भी प्रकाशित किया है ।

शोध के विद्यार्थियों तथा अन्य केस स्टडी करने वालों के लिए यह आंकड़े लाभप्रद होंगे तथा इसका मूल स्रोत भारतीय निर्वाचन आयोग है ।उन्हीं के शब्दों को ही जहां सारांश में प्रस्तुत किया जा रहा है।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र उत्सव मनाने के लिए तैयार हैः आम चुनाव 2024 के लिए मतदान शुरू हो गया है।

निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं से घर से बाहर निकलकर मतदान करने का आह्वान किय है। इस में पहले चरण में 102 लोकसभा सीटें, 16.63 करोड़ मतदाता, 1.87 लाख मतदान केंद्र, 18 लाख कर्मचारी होंगे भारत निर्वाचन आयोग ने लोकतंत्र के सबसे बड़े त्योहार यानी 18वीं लोकसभा और चार राज्यों में विधान सभाओं के लिए चुनाव के क्रम में मतदाताओं का स्वागत करने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। दुनिया के किसी देश की तुलना में यह सबसे बड़े स्तर पर संपन्न किया जा रहा है। कल पहले चरण के मतदान के साथ इस उत्सव की शुरुआत हो रही है। इस अवसर पर, निर्वाचन आयोग ने स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण, सुलभ, सहभागी और प्रलोभन-मुक्त मतदान कराने के लिए अपनी अडिग प्रतिबद्धता को भी दोहराया है। पिछले दो वर्षों में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में आयोग और इसकी टीमों ने भारत के मतदाताओं को सर्वोत्तम संभव अनुभव प्रदान करने के लिए आवश्यक कड़ी मेहनत और सावधानीपूर्वक क्रियाकलाप पूरा किया है।

यह मतदान अनेक परामर्शों, समीक्षाओं, विभिन्न क्षेत्रों के दौरों, अधिकारियों के व्यापक प्रशिक्षण और नई तथा समय के अनुरूप संचालन प्रक्रियाओं के निर्माण के बाद हो रहा है। इसमें देश भर में एजेंसियों, संगठनों के एक बड़े स्पेक्ट्रम के साथ सहयोग भी शामिल है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) श्री राजीव कुमार और निर्वाचन आयुक्त (ईसी) श्री ज्ञानेश कुमार और श्री सुखबीर सिंह संधू सहित आयोग ने आम चुनाव 2024 के पहले चरण को सुचारू रूप से संचालित करने के मतदान संबंधी तैयारियों को अंतिम रूप दिया। शेष 6 चरणों के मतदान 1 जून तक जारी रहेंगे। लगभग 97 करोड़ मतदाता वोट देने के लिए उत्सुक हैं। वोटों की गिनती 4 जून को होनी है। निर्वाचन आयोग का मानना है कि अब मतदाताओं के लिए कदम उठाने का समय आ गया है। आयोग ने पूरी ईमानदारी से मतदाताओं से अपने घरों से बाहर निकलने, मतदान केंद्र पर जाने और जिम्मेदारी और गर्व के साथ मतदान करने की अपील की है। राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित एक संदेश में, सीईसी श्री राजीव कुमार ने सभी मतदाताओं से बिना चूके मतदान करने की अपील की। सीईसी श्री राजीव कुमार का संदेश यहां सुनें -

चरण 1 तथ्य

प्रचण्ड समय

1. आम चुनाव 2024 के चरण-I के लिए मतदान 19 अप्रैल, 2024 को 21 राज्यों/ केंद्रशासित प्रदेशों के 102 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों (सामान्य- 73; अजजा- 11; अजा-18) और अरुणाचल और सिक्किम में राज्य विधानसभा के 92 विधानसभा क्षेत्रों के लिए होगा। इसमें सभी चरणों के मुकाबले संसदीय क्षेत्रों की संख्या सबसे अधिक है। मतदान सुबह 7 बजे शुरू होकर शाम 6 बजे समाप्त होगा (मतदान बंद होने का समय संसदीय क्षेत्र के अनुसार भिन्न हो सकता है)।

2. 18 लाख से अधिक मतदान अधिकारी 1.87 लाख मतदान केंद्रों पर 16.63 करोड़ से अधिक मतदाताओं का स्वागत करेंगे।

3. मतदाताओं में 8.4 करोड़ पुरुष; 8.23 करोड़ महिला और 11,371 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं।

4. 35.67 लाख पहली बार वोट देने वाले मतदाता वोट डालने के लिए पंजीकृत हैं। इसके अतिरिक्त, 20-29 वर्ष आयु वर्ग के 3.51 करोड़ युवा मतदाता हैं।

5. 1625 उम्मीदवार (पुरुष-1491; महिला-134) मैदान में हैं।

6. मतदान और सुरक्षा कर्मियों को लाने-ले जाने के लिए 41 हेलीकॉप्टर, 84 विशेष ट्रेनें और लगभग 1 लाख वाहन काम में लगाए गए हैं।

शांति और सुचिता सुनिश्चित करना

7. आयोग ने चुनावों के शांतिपूर्ण और सुचारू संचालन के लिए कई निर्णायक कदम उठाए हैं। मतदान प्रक्रिया को सुरक्षित करने के लिए मतदान केंद्रों पर पर्याप्त रूप से केंद्रीय बलों की तैनाती की गई है।

8. सभी मतदान केंद्रों पर माइक्रो ऑब्जर्वर की तैनाती के साथ-साथ 50 प्रतिशत से अधिक मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की जाएगी।

9. 361 पर्यवेक्षक (127 सामान्य पर्यवेक्षक, 67 पुलिस पर्यवेक्षक, 167 व्यय पर्यवेक्षक) मतदान से कुछ दिन पहले ही अपने निर्वाचन क्षेत्रों में पहुंच चुके हैं। वे अत्यधिक सतर्कता बरतने के लिए आयोग की आंख और कान के रूप में कार्य करते हैं। इसके अतिरिक्त, कुछ राज्यों में विशेष पर्यवेक्षकों को तैनात किया गया है।

10. कुल 4627 उड़नदस्ते, 5208 सांख्यिकी निगरानी दल, 2028 वीडियो निगरानी दल और 1255 वीडियो देखने वाली टीमें मतदाताओं को किसी भी प्रकार के प्रलोभन से सख्ती से और तेजी से निपटने के लिए चौबीसों घंटे निगरानी रख रही हैं।

11. कुल 1374 अंतरराज्यीय और 162 अंतरराष्ट्रीय सीमा चौकियां शराब, ड्रग, नकदी और मुफ्त वस्तुओं के किसी भी अवैध आवाजाही पर कड़ी निगरानी रख रही हैं। समुद्री और हवाई मार्गों पर कड़ी निगरानी रखी गई है।

मतदाता सुविधा और समर्थन

12. 102 संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में 85 वर्ष से अधिक उम्र के 14.14 लाख से अधिक पंजीकृत और 13.89 लाख दिव्यांग मतदाता हैं, जिन्हें अपने घर से आराम से मतदान करने का विकल्प प्रदान किया गया है। वैकल्पिक होम वोटिंग सुविधा को पहले से ही जबरदस्त सराहना और प्रतिक्रिया मिल रही है।

13. 85 वर्ष से अधिक और दिव्यांग मतदाताओं में से जो लोग मतदान केंद्रों पर आने का निर्णय लेते हैं, उन्हें पिक एंड ड्रॉप सुविधा, साइनेज, ईवीएम पर ब्रेल साइनेज, स्वयंसेवकों आदि जैसी सभी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। दिव्यांग मतदाता भारत निर्वाचन आयोग के सक्षम ऐप के माध्यम से व्हीलचेयर सुविधाएं भी बुक कर सकते हैं।

14. पानी, शेड, शौचालय, रैंप, स्वयंसेवक, व्हीलचेयर और बिजली जैसी सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाएं मौजूद हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बुजुर्गों और विकलांग व्यक्तियों सहित प्रत्येक मतदाता आसानी से अपना वोट डाल सकें।

15. 102 संसदीय क्षेत्रों में स्थानीय थीम के साथ मॉडल मतदान केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। 5000 से अधिक मतदान केंद्रों का प्रबंधन सुरक्षा कर्मचारियों सहित पूरी तरह से महिलाओं द्वारा किया जाएगा और 1000 से अधिक मतदान केंद्रों का प्रबंधन विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) द्वारा किया जाएगा।

16. सभी पंजीकृत मतदाताओं को मतदाता सूचना पर्चियां वितरित कर दी गई हैं। ये पर्चियां एक सुविधा संबंधी उपाय के रूप में और आयोग की ओर से मतदान करने के लिए आने के निमंत्रण के रूप में भी काम करती हैं।

17. मतदाता इस लिंक https://electoralsearch.eci.gov.in/ के माध्यम से अपने मतदान केंद्र का विवरण और मतदान की तारीख देख सकते हैं।

18. आयोग ने मतदान केंद्रों पर पहचान के सत्यापन के लिए मतदाता पहचानपत्र (ईपीआईसी) के अलावा 12 वैकल्पिक दस्तावेज भी उपलब्ध कराए हैं। यदि कोई मतदाता मतदाता सूची में पंजीकृत है, तो इनमें से कोई भी दस्तावेज दिखाकर मतदान किया जा सकता है।

मतदाताओं के लिए सूचना

19. मतदाताओं को गलत सूचनाओं और फर्जी खबरों, खासकर सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही झूठी खबरों से से बचना चाहिए, जो उन्हें प्रभावित कर सकती हैं या उन्हें इन चुनावों में भाग लेने से रोक सकती हैं। सभी प्रकार के पूछताछ, स्पष्टीकरणों और गलतफहमियों को https://mythvsreality.eci.gov.in/ पर उपलब्ध आयोग के मिथक बनाम वास्तविकता रजिस्टर में स्पष्ट और संबोधित किया गया है और मतदाताओं से अनुरोध किया जाता है कि वे इन प्रमाणित और विश्वसनीय संसाधनों को आगे बढ़ाने से पहले सत्यापित करें।

20. ईसीआई केवाईसी ऐप और उम्मीदवार शपथपत्र पोर्टल (https://affidavit.eci.gov.in/) मतदाताओं की जानकारी के लिए चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की संपत्ति, देनदारियां, शैक्षिक पृष्ठभूमि और आपराधिक पृष्ठभूमि, यदि कोई हो, सहित सभी विवरण प्रदान करता है।

मीडिया सुविधा

21. आयोग ने इन 21 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में लगभग 47,000 अधिकारपत्र जारी करके मतदान केंद्रों पर मतदान की कवरेज के लिए मीडियाकर्मियों को सुविधा प्रदान की है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया को विशेष सुविधा दी गई है।

22. मीडिया और सभी हितधारक मतदान के दिन ईसीआई वोटर टर्नआउट ऐप के माध्यम से मतदाताओं द्वारा मतदान की जांच कर सकते हैं, जिसे नियमित रूप से अपडेट किया जाएगा।

23. आयोग ने आम चुनाव 2024 से संबंधित सभी प्रासंगिक जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के लिए चुनाव 2024 के लिए एक समर्पित वेबसाइट https://elections24.eci.gov.in/ भी लॉन्च की है।

पृष्ठभूमि

24. पिछले दो वर्षों में, आयोग ने निर्वाचन संबंधी तैयारियों की समीक्षा के लिए कई राज्यों/ केंद्रशासित प्रदेशों का दौरा किया है। आयोग ने राजनीतिक दलों, प्रवर्तन एजेंसियों, सभी जिला अधिकारियों, एसएसपी/एसपी, मंडलायुक्तों, रेंज आईजी, सीएस/डीजीपी और राज्यों/ केंद्रशासित प्रदेशों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत की।

25. किसी भी कमियों का पता लगाने और उन्हें दूर करने के तरीकों के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारियों और उनकी टीमों के साथ कई सम्मेलन और समीक्षा बैठकें हुईं। वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम ने कानून-व्यवस्था की स्थिति, चिंता के विशिष्ट क्षेत्रों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की आवश्यकता की मात्रा सहित निर्वाचन मशीनरी की समग्र तैयारियों की समीक्षा करने के लिए विभिन्न राज्यों का दौरा किया।

26. समीक्षा के हिस्से के रूप में, भारत निर्वाचन आयोग ने लोकसभा आम चुनाव 2024 और मौजूदा राज्य विधानसभाओं के स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और प्रलोभन-मुक्त निर्वाचन प्रक्रिया के लिए कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा और आकलन, अवैध गतिविधियों की रोकथाम, जब्ती और अंतर-राज्य और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर कड़ी निगरानी के लिए सभी राज्यों/ केंद्रशासित प्रदेशों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक भी बुलाई। संयुक्त समीक्षा का उद्देश्य सीमाओं की रक्षा करने वाली केंद्रीय एजेंसियों के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों/ केंद्रशासित प्रदेशों के अधिकारियों के बीच सहज समन्वय और सहयोग के लिए सभी संबंधित हितधारकों को एक ही मंच पर लाना था। आयोग ने प्रत्येक राज्य/ केंद्रशासित प्रदेश से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों की विस्तार से समीक्षा की।

27. आम चुनावों की घोषणा से पहले, निर्वाचन आयोग ने आम चुनावों के लिए 2100 से अधिक सामान्य, पुलिस और व्यय पर्यवेक्षकों को भी इसके बारे में जानकारी दी।

28. मौजूदा आम चुनाव 2024 में मतदान से पहले, मतदाताओं का मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से, भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने पिछले आम चुनावों में कम मतदान भागीदारी के इतिहास वाले संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों (पीसी) पर ध्यान केंद्रित करने के साथ मतदाताओं द्वारा कम मतदान पर एक सम्मेलन भी आयोजित किया।

29. निर्वाचन संबंधी संपूर्ण मशीनरी को निर्वाचन प्रबंधन के सभी पहलुओं पर प्रशिक्षित किया गया है। सभी निर्देश/मैनुअल/हैंडबुक व्यापक रूप से अद्यतन किए गए हैं, जो ईसीआई वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

स्रोत तथा संदर्भ भारतीय निर्वाचन आयोग भारत सरकार की वेबसाइट से।

मतदान का महादान भारतीय चुनाव का लोकतंत्र का महा उत्सव शुरू हो गया है ।

आगे देखते हैं कि हम अपनी भूमिका के प्रति कितने सजग हैं परंतु इसमें सबसे बड़ी भूमिका भारत के लोगों की राजनीतिक दलों की और श्रेष्ठ भूमिका के लिए भारतीय चुनाव आयोग ने दुनिया में अपनी उदाहरण प्रस्तुत की है।

प्रचार के लिए क्या क्या करेगा....!

कमलेश भारतीय

प्रचण्ड समय

यह राजनीति भी अजीब शै है। ससुरी प्रचार में क्या क्या नहीं करवाती ! आजकल रोज़ नये से नये रोचक फोटो देखने को मिल रहे हैं! कसम से मज़ा सा आ जाता है ये फोटो देख कर! पहले आपको अभिनेत्री हेमामालिनी का पुराना फोटो दिखाया था न ! भूल गये क्या ? अरे वही, मथुरा में पिछले लोकसभा चुनाव में प्रचार के दौरान महिलाओं के साथ गेहूं काटतीं हेमामालिनी ! अच्छा फिर वह भी याद होगा जो इनेलो की सुनयना चौटाला ट्रैक्टर चला कर डाबड़ा गांव पहुंचीं अभी दो दिन पहले ! चलो छोड़िये पुरानी तस्वीरें ! छोड़ो बात पुरानी ! अब नये फोटोज ध्यान से देखिये, हुज़ूर ! वो अपने हिसार के बेटे व कुरूक्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी हैं न नवीन जिंदल, वे पल्लेदार की तरह पीठ पर बोरियां लादते और उतारते दिखे! अरबपति उद्योगपति बोरियां लादे जैसे क्या कहूँ, कहूँ या न कहूँ पर छोड़ो यार ! क्या कहना ! अब इनकी आलोचना इनके विरोधी और आप पार्टी प्रत्याशी सुशील गुप्ता कर रहे हैं और खुद एक चाय की दुकान पर चाय छानकर दूसरों को चाय पिलाते दिखाई दे रहे हैं । ल्यो कर ल्यो बात! है न अजब चुनाव के गजब फोटू! बड़े मियां सो बड़े मियां, छोटे मियां सुभान अल्लाह! एक से बढ़कर एक !

वैसे एक और ट्रेंड कभी पूर्व प्रधानमंत्री व लौह महिला श्रीमती इंदिरा गाँधी ने चलाया था, जिस भी प्रदेश में चुनाव प्रचार पर जाती थीं, उसी प्रदेश का पहनावा और पहला वाक्य उसी प्रदेश की बोली में बोलती थीं ! अब देखिए जब पंजाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आते हैं तो वे भी पगड़ी पहनकर सत् श्री अकाल से ही भाषण की शुरुआत करते हैं कि नहीं ? इस तरह वे पूर्वोत्तर राज्य में कभी ढोल पर थाप देते भी नज़र आते हैं। बाकी काम मीडिया मैनेजमेंट वाले संभालते हैं। नेता को तो पोज देना है, बस ।

ऐसे में जनता के मुद्दे गौण होते जा रहे हैं और चुनाव भी एक फिल्म जैसा प्रीमियर शो बन कर रह गये हैं । कोई बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, रसोई गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों, अग्निवीर और पेपर लीक जैसे मुद्दों पर बात करेगा? नहीं ! कोई नहीं करेगा ! सब बैकग्राउंड में चले जायेंगे । बस, आप तो फैंसी ड्रैस प्रतियोगिता देखिये और भूल जाइये कि देश में क्या जरूरी है और क्या नहीं ! बस, इतना ही कहूंगा

क़ौम के ग़म में डिनर खाते हैं हुक्काम के साथ

रंज लीडर को बहुत है मगर आराम के साथ

-पूर्व उपाध्यक्ष, हरियाणा ग्रंथ अकादमी ।

9416047075

ईरान और इसराइल के बीच संघर्ष भारत के लिए कितनी बड़ी चुनौती है

प्रचण्ड समय

अप्रैल की पहली तारीख़ से ही ईरान और इसराइल के बीच बढ़ी तनातनी के अब मध्य पूर्व के बाहर फैलने की आशंका बढ़ गई है।

बीते सप्ताह ईरान ने इसराइल पर 300 से अधिक ड्रोन और मिसाइलों से हमले का दावा किया।

एक अप्रैल को सीरिया के दमिश्क में ईरानी वाणिज्य दूतावास पर हमले के बाद से ही इसकी आशंका जताई जा रही थी। ईरान ने इस हमले के लिए इसराइल को ज़िम्मेदार ठहराया था।

हालांकि, इसराइल ने अभी तक इस पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है लेकिन शुक्रवार को अमेरिका ने कहा है कि इसराइल ने ईरान पर मिसाइल से हमला किया, जिसके बाद इस क्षेत्र में तनाव बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। जानकारों का मानना है कि भारत के लिए ये स्थिति और परेशानी वाली हो सकती है क्योंकि ईरान और इसराइल दोनों से उसके अच्छे संबंध हैं।

साथ ही पश्चिमी एशियाई देशों में अच्छी-खासी तादाद में भारतीय भी रहते हैं। उनका मानना है कि ईरान और इसराइल का संघर्ष भारतीय अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित कर सकता है।

भारत पर क्या होगा असर?

ईरान के हमले के बाद ही भारत के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर के चिंता जताते हुए दोनों मुल्क़ों से कूटनीतिक रास्ते पर चलने के लिए कहा था। भारत ने अपने नागरिकों के लिए ट्रैवल एडवाइज़री जारी की थी और इन दोनों देशों की यात्रा नहीं करने के लिए कहा था। जानकार मानते हैं कि ईरान और इसराइल के संघर्ष के बीच भारत की सबसे बड़ी चुनौती इन देशों और पश्चिमी एशिया के अन्य देशों में रह रहे अपने लाखों नागरिकों की सुरक्षा है।

भारत सरकार ने ट्रैवल एडवाइज़री जारी कर के इसराइल और ईरान की यात्रा करने को लेकर कोई पाबंदी नहीं लगाई है लेकिन एहितायतन नागरिकों से यात्रा करने से बचने को कहा है।

इस समय इसराइल में करीब 18 हज़ार भारतीय हैं जबकि ईरान में पाँच से 10 हज़ार भारतीय रह रहे हैं।

भारत की ट्रैवल एडवाइज़री

हमास के साथ जंग शुरू होने के बाद इसराइल में निर्माण क्षेत्र में काम करने वालों की सख़्त कमी हो गई है। इस कमी को पूरा करने के लिए भारत सरकार और इसराइल सरकार के बीच हुए समझौते के अंतर्गत उत्तर प्रदेश और हरियाणा से 10 हज़ार श्रमिक स्क्रीनिंग के बाद इसराइल भेजे जाने थे।

हरियाणा से करीब 530 श्रमिक इसराइल जा चुके हैं। लेकिन भारत सरकार की ट्रैवल एडवाइज़री के बाद बाकी बचे लोगों के इसराइल जाने की योजना अधर में लटक गई है।

इंडियन काउंसिल ऑफ़ वर्ल्ड अफ़ेयर्स से जुड़े सीनियर फ़ेलो डॉक्टर फ़ज़्ज़ुर्रहमान कहते हैं, "हमारे 90 लाख से एक करोड़ लोग पश्चिमी एशिया के देशों में रहते हैं, जो हर साल करीब 50 से 55 लाख डॉलर की राशि भारत भेजते हैं। भारत को तेल देने वाले शीर्ष देश जैसे सऊदी अरब और ईरान पश्चिमी एशिया में हैं। अगर इस क्षेत्र में तनाव बढ़ता है, तो ये निश्चित तौर पर भारत के लिए परेशानी हो सकता है।"

वहीं, जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी के नेल्सन मंडेला सेंटर फॉर पीस एंड कनफ्लिक्ट रिज़ॉल्यूशन के फ़ैकल्टी मेंबर प्रेमानंद मिश्रा कहते हैं कि ग़ज़ा में जारी इसराइली कार्रवाई के जवाब में हूती विद्रोहियों के लाल सागर में हमले बढ़े। इससे कारोबारी मार्ग पर असर पहले से ही दिख रहा है और अब अगर ईरान और इसराइल के बीच जंग जैसे हालात बने तो फिर भारत के लिए लंबे समय तक तटस्थता वाली नीति पर बने रहना भी मुश्किल हो सकता है।

ईरान पर इसराइल के हमले की पुष्टि के बाद वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल और सोने की कीमतें बढ़ी हैं।

शुक्रवार को एशिया में कच्चे तेल की कीमतों में तीन फीसदी इजाफ़ा देखने को मिला। कच्चे तेल की कीमत प्रति बैरल करीब 90 डॉलर तक पहुंच गई।

वहीं सोने की कीमत नया रिकॉर्ड छूते हुए 2400 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गई।

प्रेमानंद मिश्रा कहते हैं कि तेल के दाम बढ़ने से पूरी अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है।

आप लोकसभा चुनाव के दौर में हैं और अगर महंगाई बढ़ती है तो इसका सीधा असर आपकी चुनावी राजनीति पर पड़ता है, जो भारत नहीं चाहेगा।

वह कहते हैं कि भारत तेल के लिए अफ़्रीकी देशों का रुख कर सकता है लेकिन ये ज़रूर है कि ईरान से सस्ता तेल मिल सकता था, जो अभी नहीं मिल पाएगा।

चाबहार पोर्ट के निर्माण में भारत ने निवेश किया है। सामरिक दृष्टि से ये बंदरगाह भारत और ईरान दोनों के लिए महत्वपूर्ण है।

इस पोर्ट के ज़रिए ईरान को पश्चिमी देशों के प्रतिबंध के असर को कम करने में मदद मिलेगी।

वहीं, भारत को अफ़ग़ानिस्तान और मध्य एशिया के साथ व्यापार करने के लिए पाकिस्तान के रास्ते से होकर नहीं जाना होगा।

भारत में ईरान के राजदूत ईराज इलाही ने अंग्रेज़ी अख़बार इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में कहा कि भारत को ग़ज़ा में युद्ध को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के ज़रिए अपनी सक्रिया भूमिका निभानी चाहिए। -साभार, बीबीसी

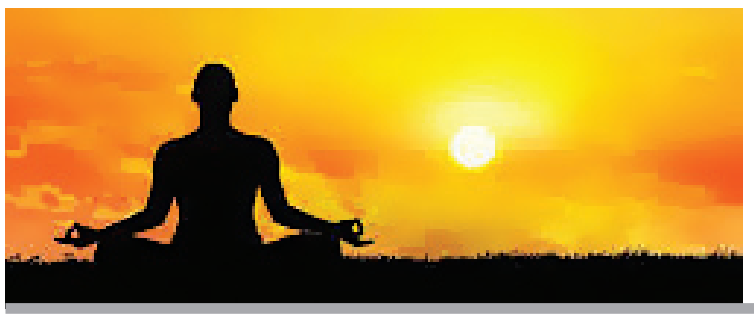

सनातन

prachandsamay.com

प्रचण्ड समय

5

शिमला, शनिवार, 20 अप्रैल, 2024

कैसे हुआ था मां संतोषी का जन्म, जानें पौराणिक कथा

हिंदू धर्म में हर दिन किसी ने किसी देवी देवता की पूजा अर्चना की जाती है। इसी प्रकार शुक्रवार के दिन माता लक्ष्मी, माता संतोषी, माता काली को समर्पित होता है। यह दिन धन-वैभव और सुख समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। जो भी व्यक्ति इस दिन माता संतोषी की सच्चे मन से आराधना करता है, मां उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी करती हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि मां संतोषी की किसकी पुत्री हैं। आइए जानते हैं मां संतोषी के जन्म से जुड़ी पौराणिक कथा।

मां संतोषी का स्वरूप

संतोषी माता को दुर्गा का स्वरूप माना जाता है। उन्हें आनंद और संतुष्टि की देवी माना जाता है। वह देवी दुर्गा का एक दयालु, शुद्ध और कोमल रूप हैं।कमल पुष्प पर विराजमान मां संतोषी जीवन में संतोष प्रदान करने वाली देवी हैं। शुक्रवार को माता संतोषी की पूजा किए जाने का विशेष विधान है ।

शुभ लाभ ने की बहन प्राप्ति की इच्छा

हिंदू धर्म की पौराणिक कथा के अनुसार गणेश जी का विवाह रिद्धि-सिद्धि के साथ हुआ था और शुभ-लाभ उनके दो पुत्र हुए। एक बार भगवान गणपति अपनी बहन से रक्षा सूत्र बंधवा रहे थे। तभी गणेश जी से उनके पुत्रों ने इस रस्म के बारे में पूछा तो तब गणेश जी ने कहा कि यह धागा नहीं, रक्षासूत्र आशीर्वाद और भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक है। यह बात सुनकर शुभ-लाभ बड़े उत्साहित हुए और उन्होंने गणेश जी से कहा कि उन्हें भी एक बहन चाहिए, जिससे वो भी इस रक्षा सूत्र को बंधवा सकें।

भगवान गणेश की शक्तियों से उत्पन्न हुई मां संतोषी

शुभ-लाभ की इस मनोकामना को पूरा करने के लिए भगवान गणेश ने अपनी शक्तियों से एक ज्योति उत्पन्न की और दोनों पत्नियों रिद्धि-सिद्धि की आत्मशक्ति के साथ उसे सम्मिलित कर लिया।।इस ज्योति ने कुछ देर बाद एक कन्या का रूप ले लिया, जिसका नाम संतोषी रखा गया। तब से उस कन्या को संतोषी माता के नाम से जाना जाने लगा।

शुक्रवार को इसलिए होती है पूजा

संतोषी माता का जन्म शुक्रवार के दिन हुआ था इस कारण से उनकी पूजा और व्रत शुक्रवार के दिन ही किया जाता है। शुक्रवार के दिन माता संतोषी की पूजा अर्चना करने से माता प्रसन्न होती हैं। सिर्फ यही नहीं, जो भक्त माता संतोषी की पूजा विधि पूर्वक करते हैं उनके घर में सुख-समृद्धि भी आती है। माना जाता है कि अविवाहित कन्याएं अगर संतोषी माता का व्रत करें तो मां की कृपा से उन्हें सुयोग्य वर मिलता है।

इस मंदिर में रहते हैं यमराज, यहां चलती है धर्मराज की अदालत!

भारत के हिमाचल प्रदेश में हजारों की संख्या में मंदिर मौजूद हैं। और इन सभी मंदिरों के साथ कुछ न कुछ अनोखी कथा जुड़ी हुई है जो इन मंदिरों को खास बनाती है। इसी तरह हिमाचल प्रदेश का चौरासी मंदिर अपनी रोचक कथा और इतिहास के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर को लेकर यह भी मान्यता है कि इस मंदिर में चार अलग-अलग धातु के अदृश्य दरवाजे भी मौजूद हैं। ये चारों दरवाजे सोने, चांदी, तांबे और लोहे से बने हुए हैं।

चौरासी मंदिर को लेकर अनूठी मान्यता

इस मंदिर को लेकर मान्यता है कि यहाँ साक्षात यमराज विराजमान हैं और यहां इनकी अदालत लगती है जिसमें लोगों के स्वर्ग या नरक में जाने का फैसला स्वयं यमराज ही करते हैं। यह भी मान्यता है कि इस मंदिर में आदिकाल से एक शिवलिंग भी मौजूद है और मंदिर में एक रहस्यमय कमरा भी है जिसे चित्रगुप्त का कमरा माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, चित्रगुप्त व्यक्ति के कर्मों का लेखा जोखा रखते हैं।

धर्मराज की अदालत

मान्यताओं के अनुसार, किसी भी जीव की मृत्यु होने पर उसकी आत्मा को चित्रगुप्त के सामने लाया जाता है और उसके अच्छे बुरे सभी कर्मों का हिसाब यहां होता है। चित्रगुप्त के रहस्यमयी कमरे के सामने ही एक और कमरा है जिसे धर्मराज की अदालत कहा जाता है। इसी कमरे में आत्मा को लाया जाता है और यहीं फैसला होता है कि जीव की आत्मा आगे कहां की यात्रा करेगी, इसी मान्यता के कारण यहां लोग आने से डरते हैं।

भाई दूज के त्योहार पर लगती है भक्तों की भीड़

भाई दूज के त्योहार के अवसर पर यहां भक्तों की भारी भीड़ लगती है। क्योंकि भाई दूज के त्योहार का संबंध यमराज से जुड़ा हुआ है। मान्यता है कि भाई दूज के दिन यमराज लंबे समय के बाद अपनी बहन यमुना के घर गए थे जिससे यमुना ने प्रसन्न होकर अपने भाई यमराज जी से वरदान मांगा था कि इस दिन जो भी भाई अपनी बहन के घर जाकर भोजन करेगा और मेरे जल में स्नान करेगा उसे यमराज का डर नहीं सताएगा।

महावीर स्वामी का प्रभु राम से क्या था नाता? जानें वर्धमान से भगवान बनने का सफर

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर महावीर जी का जन्म चैत्र माह में शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर हुआ था। इन्हें जैन धर्म के अंतिम तीर्थकार भी कहा जाता है। जैन समुदाय में महावीर जयंती का खास महत्व माना जाता है। इस साल 21 अप्रैल को महावीर की जयंती मनाई जाएगी। इस दिन जैन धर्म के लोग भगवान महावीर की पूजा करते हैं और उनके द्वारा दी गई शिक्षाओं और सिद्धांतों को याद करते हैं। भगवान महावीर ने लोक कल्याण के लिए पांच सिद्धांत बताए, जो आज भी लोगों को समृद्ध जीवन की ओर ले जाते हैं। आइए जानते हैं इस साल महावीर जयंती कब है और जानते हैं कि उनका प्रभु राम से क्या नाता है।

जैन धर्म के पांच मुख्य सिद्धांत

सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य।

महावीर स्वामी का भगवान श्री राम से क्या नाता है?

जैन धर्म के 24वें और अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जन्म 599 ईसा पूर्व बिहार में हुआ था। जैन धर्म में महावीर जयंती का खास है। जैन धर्म के मुताबिक, महावीर स्वानी का जन्म चैत्र माह में उगते चंद्रमा के तेरहवें दिन हुआ था। ग्रेगोरियन कैलेंडर के मुताबिक ये दिन मार्च या अप्रैल में आता है। इस दिन जैन धर्म के लोग भगवान महावीर के जीवन और शिक्षाओं को याद करते हैं।

महावीर स्वामी का जन्म इक्ष्वाकु राजवंश के राजा सिद्धार्थ और रानी त्रिशला के एक शाही क्षत्रिय परिवार में हुआ था। महावीर जी का संबंध हिंदू धर्म में आस्था के सबसे बड़े प्रतीक माने जाने वाले भगवान राम से माना जाता है, क्योंकि महावीर जैन का जन्म भी उसी कुल में हुआ था, जिस कुल में प्रभु राम ने जन्म लिया था। भगवान राम और महावीर स्वामी दोनों ही सूर्यवंशी हैं।

महावीर जयंती का महत्व

जैन धर्म के लोगों के लिए महावीर जयंती बेहद खास दिन माना जाता है। इस दिन वे भगवान महावीर की पूजा-अर्चना करते हैं और उनकी सिखाई गई शिक्षाओं को याद करते हैं। इस दिन धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। भगवान महावीर के जन्मदिवस पर लोग भगवान महावीर की पूजा भी करते हैं।

भगवान महावीर ने 30 वर्ष की उम्र में अपना घर-परिवार त्याग दिया और जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ से दीक्षा ली। 12 सालों की कठोर तपस्या के बाद उन्हें 573 ईसा पूर्व में तीर्थंकर का दर्जा मिला। महावीर स्वामी ने अहिंसा को सर्वोच्च धर्म बताया था।

महावीर स्वामी के बारे में पूछे जाने वाले कुछ सवाल और उनके जवाब

सवाल- महावीर स्वामी कौन से वंश के थे?

जवाब- जन्म भगवन महावीर का जन्म ईसा से 599 वर्ष पहले बिहार के कुण्डग्राम में इक्ष्वाकु वंश के क्षत्रिय राजा सिद्धार्थ और रानी त्रिशला के यहां हुआ था।

सवाल- महावीर जैन का असली नाम क्या है?

जवाब- महावीर जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर थे। भगवान महावीर का मूल नाम वर्धमान है।

सवाल- महावीर ने कौन सा धर्म बनाया?

जवाब- छठी शताब्दी ईसा पूर्व में जब भगवान महावीर ने जैन धर्म का प्रचार किया तब यह धर्म प्रमुखता से सामने आया।

सवाल- महावीर भगवान की आयु कितनी थी?

सवाब- महावीर को बिहार में आधुनिक राजगीर के पास पावापुरी नामक स्थान पर 468 ईसा पूर्व में 72 वर्ष की आयु में निर्वाण प्राप्त हुआ।

सवाल- महावीर स्वामी का गोत्र क्या है?

जवाब- भगवान महावीर की मां का नाम त्रिशला देवी और पिता सिद्धार्थ थे। वह ज्ञातृ वंशीय क्षत्रिय थे। उनका गोत्र काश्यप था।

न्यूज ब्रीफ..

मुख्यमंत्री सुक्खु पर भाजपा का पलटवार, कहा जनता को एक बार फिर गुमराह करने का प्रयास न करे सरकार

प्रचण्ड समय

शिमला . मुख्यमंत्री सुखु के ब्यान को विधायक रणधीर शर्मा ने हास्यास्पद बताया जिसमें उन्होंने कहा कि सरकार के 15 महीने के कार्यकाल को लेकर जनता के बीच जा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से प्रश्न करते हुए कहा कि ऐसी कौन सी उपलब्धि है जिसे लेकर वो जनता के बीच जा रहे हैं ? उन्होंने ऐसा कौन सा काम किया है जिसे लेकर जनता के बीच जा रहे है ? उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि इन 15 महीनों में मात्र जनता को तंग किया,परेशान किया चुनावी वायदे व गारंटीया पूरे करने के लिए कोई प्रयास नहीं किया। महिलाओं को 1500 देने के वायदे पर सरकार बनाने वाली कांग्रेस डेढ़ साल बीत जाने के बाद भी वायदे को पूरा नहीं कर पाई है। जनता को भ्रमित कर रहे हैं कि मई से यह राशि महिलाओं को दी जाएगी परंतु जब बजट में एक तक का प्रावधान नहीं किया गया तो कैसे इस गारंटी को पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कांग्रेस ने गारंटी दी थी कि 300यूनिट मुफ्त बिजली देंगे परंतु इसके बारे में भी सरकार कोई कदम नहीं उठा पाई है। कांग्रेस की यह भी गारंटी थी कि 100 किलो दूध और 2किलो गोबर किसानों से खरीदा जाएगा परंतु वो भी एक जुमला ही साबित हुआ है। 5 लाख नौकरी का वायदा कर आज तक एक भी युवक को नौकरी इस सरकार ने नहीं दी है उल्टा आउटसोर्स पर लगे 10,000 युवाओं को नौकरी से निकाल दिया गया। इस सरकार ने 15महीने में 1500से ज्यादा संस्थान बंद करने का काम इस निक्कमी सरकार ने किया है। सरकार ने आते ही 6लीटर डीजल के रेट में बढ़ोतरी,15सीमेंट कि बोरी पर बढ़ोतरी कर जनता पर महंगाई का बोझ डाला क्या इसी को आधार बना कर ये सरकार जनता से वोट मांगेगी। इस सरकार ने तो मंदिरों को भी नहीं बक्शा देवी दर्शन के लिए मंदिरो पर टैक्स लगाने की प्रथा मुख्यमंत्री ने शुरू की है, इतने जनविरोधी निर्णय लेकर जनता को त्रस्त करने का कार्य इस सरकार ने किया है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री सुखु जनता को गुमराह करना बंद करें, जनता को ठगना बंद करें। भाजपा कांग्रेस सरकार के 15महीने के जनविरोधी निर्णयों कोनलेकर जनता के बीच जाएगी। केंद्र सरकार की उपलब्धियां, जनहित व देशहित के कार्य, गरीबों के लिए कार्य, देश को दुनिया की पाँचवी अर्थव्यस्था बनाने के लिए कार्य, देश से आंतकवाद, भ्रष्टाचार को समाप्त करना, काशी विश्वनाथ में बाबा शिवधाम, अयोध्या में रामजन्म भूमि पर भव्य राममंदिर बनाने का कार्य इन सभी मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएगी। जनता प्रधानमंत्री मोदी के किए कार्य पर इस बार जनता भाजपा को वोट देगी। 4/4की सीट जीत कर भाजपा तीसरी बार प्रधानमंत्री मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए संकल्पित है।

हिमाचल में मौसम के बदले रंग

प्रचण्ड समय

शिमला . हिमाचल प्रदेश में मौसम ने एक बार फिर रंग बदल लिए हैं। प्रदेश में जारी हुए येलो अलर्ट के बीच अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फ़बारी का दौर शुरू हो गया है। लाहौल-स्पीति, किन्नौर, चम्बा व कुल्लू के ऊपरी इलाकों में ताजा हिमपात हुआ है। रोहतांग दर्रा और शिंकुला दर्रा बर्फ से लकदक हो गया है। वहीं राज्य के मैदानी व मध्यपर्वतीय इलाकों में बादल बरस रहे हैं। राजधानी शिमला में दोपहर से झमाझम बारिश हो रही है। शिमला सहित कई इलाकों में बीती रात तेज आंधी चली। बारिश-बर्फ़बारी के कारण तापमान गिरने से पहाड़ी इलाकों में ठिठुरन बढ़ गई है। नजर आ रहे हैं। मौसम विभाग की माने तो आने वाले दिनों तक अभी मौसम में कोई बदलाव होने की उम्मीद नहीं है। मौसम में फिलहाल ठंडक बरक़रार सकती है। शिमला में शुक्रवार को दिन की शुरूआत धूप के साथ हुई, लेकिन दोपहर के समय मौसम ने करवट बदली और गरज के साथ बादल बरसने लग गए। ऊपरी शिमला और कुल्लू जिला के कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि हुई, जिससे सेब की फसल को नुकसान पहुंचा है। इसी तरह हमीपुर, बिलासपुर, कांगड़ा और ऊना जिलों में वर्षा से गेहूं व सरसों की फसल को क्षति पहुंची। मौसम विभाग ने 24 अप्रैल तक मौसम के खराब रहने की संभावना जताई है। 20 व 21 अप्रैल को मैदानी इलाकों को छोड़कर राज्य के शेष हिस्सों में बारिश व बर्फ़बारी होने के आसार हैं। इस दौरान राज्य के कुछ स्थानों पर वर्षा, बर्फ़बारी, ओलावृष्टि व आसमानी बिजली के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घण्टे की रफ्तार से अंधड़ चलने का येलो अलर्ट जारी किया गया है। 24 अप्रैल को भी मध्यपर्वतीय और उच्च पर्वतीय इलाकों में मौसम के मिजाज बिगड़े रहेंगे। 25 अप्रैल को पूरे राज्य में मौसम साफ रहेगा। बीते 24 घण्टों के दौरान घागस में 19, नगरोटा सुरियाँ व सुंदरनगर में 17, भरमौर में 13, बरठीं में नौ, बिलासपुर में आठ, जोत में सात और डल्हौजी में छह मिलीमीटर वर्षा हुई है। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को राज्य के औसतन न्यूनतम तापमान में -0.4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है। शिमला में न्यूनतम तापमान 9.5 डिग्री, सुंदरनगर में 15.7 डिग्री, भुंतर में 12.4 डिग्री, कल्पा में 5.8 डिग्री, धर्मशाला में 15.9 डिग्री, ऊना में 18 डिग्री, नाहन में 17.3 डिग्री, केलंग में 2.9 डिग्री, सोलन में14 डिग्री, पालमपुर में 15.5 डिग्री, मनाली में 6.9 डिग्री, कांगड़ा में 18 डिग्री, मंडी में 16.1 डिग्री, बिलासपुर में 17.2 डिग्री, हमीपुर में 21 डिग्री, कुकुमसेरी में 3, नारकंडा में 4.6 और कुफ़री में 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कांग्रेस सरकार ने अपने 15 माह के कार्यकाल में कई उल्लेखनीय कार्य किये है : मुख्यमंत्री

प्रचण्ड समय . शिमला

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार पूरी तरह स्थिर है और मजबूत है और वह अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि पैसे के दम पर लोकतंत्र की हत्या करने वाले षड्यंत्रकारी जल्द ही सलाखों के पीछे होंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मण्डी संसदीय सीट सहित प्रदेश की सभी लोकसभा व विधानसभा उप चुनावो में जीत हासिल करेगी।

आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में मण्डी संसदीय क्षेत्र के नेताओं की एक बैठक को संबोधित करते हुए सुक्खू ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा ही चुनौतियों का डटकर मुकाबला करते हुए उस पर पार पाया है। उन्होंने कहा उनके छह विधायको ने पैसे के लिये अपना ईमान बेच दिया,इसके लिये प्रदेश की जनता उन्हें कभी माफ नही करेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने अपने 15 माह के कार्यकाल में कई उल्लेखनीय निर्णय कर जनता के हित में कार्य किये है। कर्मचारियों की ओल्ड पेंशन जारी कर एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। इसके अतिरिक्त महिलाओं को 1500 रुपए की गारंटी भी पूरी की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की विकट आर्थिक परिस्थितियों के बाबजूद आपदा से प्रभावित लोगों की सरकार

ने पूरी मदद की। उन्होंने कहा कि मण्डी जिला सबसे ज्यादा आपदा प्रभावित रहा। उन्होंने कहा कि इस दौरान न तो केंद्र की भाजपा सरकार ने प्रदेश को कोई विशेष आर्थिक मदद दी और न ही प्रदेश भाजपा के नेताओं ने राहत कार्यो में ही कोई सहयोग दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा ने प्रदेश में लोकतंत्र की हत्या करने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने एक षड्यंत्र के तहत कांग्रेस की राज्यसभा की एक सीट चुराई है। उन्होंने कहा कि हिमाचल देव भूमि है और लोग अब भाजपा को लोकसभा की चारों सीटों पर करारी हार देकर इसका हिसाब चुकता करेंगे।

सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि मण्डी संसदीय क्षेत्र से उन्होंने एक योग्य,अनुभवी युवा नेता विक्रमादित्य को चुनाव मैदान में उतारा है। उन्होंने कहा कि विक्रमादित्य मण्डी संसदीय क्षेत्र में रिकार्ड मतों से जीत हासिल करेंगे। उन्होंने पार्टी नेताओं, पदाधिकारियों से कार्यकर्ताओं के साथ एकजुटता से चुनाव प्रचार में डटने व सरकार की 15 माह की उपलब्धियों को जनता के बीच प्रमुखता से रखने को कहा।

इससे पूर्व अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव मण्डी संसदीय क्षेत्र के प्रभारी संजय दत्त ने पार्टी पदाधिकारियों से सभी ब्लॉकों में मजबूती के साथ ग्रासरूट में कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जो कहती है उसे हर हाल में पूरा करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा के दस साल के कार्यकाल में महंगाई ,बेरोजगारी व महिला अत्याचार में बड़े पैमाने पर बढ़ोतरी हुई है। भाजपा मुद्दों पर नही लोगों की भावनाओं से खिलवाड़ करती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जिस प्रकार से पूर्ण बहुमत वाली सरकार को अस्थिर करने की भाजपा ने कोशिश की है उससे उसका वास्तविक चेहरा सबके सामने आ चुका है।

पूर्व मंत्री ठाकुर कौल सिंह ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में कांग्रेस पूरी तरह मजबूत है और मण्डी संसदीय सीट पर भारी मतों से जीत हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास में कांग्रेस नेताओं का बहुत बड़ा योगदान रहा है।

उन्होंने पार्टी के सभी पदाधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ काम करने का आह्वान किया।

लोक निर्माण मंत्री मण्डी संसदीय क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि पार्टी आलाकमान ने उन्हें मण्डी लोकसभा चुनाव लड़ने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि पार्टी व देशहित में वह मण्डी संसदीय क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतर रहें है। उन्होंने कहा कि मण्डी संसदीय क्षेत्र उनकी जन्मभूमि के साथ साथ कर्मभूमि भी है। उन्होंने कहा कि उनके पिताश्री स्व वीरभद्र सिंह ,पंडित सुखराम व उनकी माताश्री प्रतिभा सिंह ने इस कसर का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने कहा कि मण्डी संसदीय क्षेत्र कांग्रेस का मजबूत गढ़ है और इमसें वह अपनी जीत दर्ज करेंगे। उन्होंने कहा कि मण्डी के लोगों के आशीर्वाद से वह भी जीत हासिल कर इस क्षेत्र की सेवा करेंगे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद प्रतिभा सिंह ने बैठक में उपस्थित सभी नेताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस आलाकमान ने मण्डी संसदीय क्षेत्र के लिये एक अनुभवी युवा नेता को चुनाव मैदान में उतारा है वह बहुत ही सराहनीय है। उन्होंने कहा कि सांसद के तौर पर उन्होंने अपने ढाई साल के कार्यकाल में सांसद निधि से मांग के अनुसार विकास कार्य पूरे किए। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों से आग्रह किया कि वह सब एकजुट होकर पार्टी की जीत के लिये उसी तरह कार्य करें जैसे उन्होंने उनके उप चुनाव के दौरान किया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रदेश की चारों सीटों पर शानदार जीत हासिल कर देश मे एक बड़ा संदेश देगी।

उन्होंने कहा कि यह चुनाव देश मे लोकतंत्र को बचाने के लिए व लोगों को न्याय दिलाने के लिये लड़ा जा रहा है।

बैठक को प्रकाश चौधरी,सुंदर ठाकुर,रंगीला राम राव,नंद लाल,जगत सिंह नेगी व चंद्र शेखर ने भी संबोधित करते हुए पार्टी के सभी पदाधिकारियों से एकजुट होकर चुनाव प्रचार में डटने को कहा।

डाबर ने बद्दी के गांव धरमपुर में ग्रामीण तालाब का पुनरुद्धार किया

प्रवीण शर्मा . बद्दी

डाबर इंडिया लिमिटेड बद्दी ने वर्ष 2030 तक वॉटर पॉज़िटिव बनाने के मिशन के तहत शुक्रवार को बद्दी तहसील के गांव धरमपुर में एक तालाब के पुनःनिर्माण की घोषणा की। गांव के तालाब का पुनरुद्धार स्थानीय समुदाय के लिए बहुत अधिक मायने रखता है, जहां 350 से अधिक परिवारों को इस प्रोजेक्ट से लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर डाबर इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन मोहित बर्मन ने कहा, ''डाबर में हम जल संरक्षण एवं प्रबन्धन के लिए सामुदायिक स्तर के प्रोग्रामों का महत्व समझते हैं। समुदाय के साथ मिलकर हमने इस प्रोजेक्ट की योजना बनाई है, जिससे इस क्षेत्र के सबसे गरीब एवं वंचित लोगों के लिए पानी की सुलभता बढ़ेगी और उनकी आजीविका में भी सुधार होगा। गांव के तालाब का पुनरुद्धार कर हम न सिर्फ एक प्राकृतिक संसाधन को बल्कि पूरे समुदाय को पुनःजीवित करना चाहते हैं। डाबर इस तरह के प्रयासों के ज़रिए समाज के विकास एवं कल्याण तथा सभी के लिए बेहतर एवं उज्जवल भविष्य के निर्माण के लिए प्रयासरत है।''

इस प्रोजेक्ट की शुरूआत डाबर की सीएसआर शाखा जीवंती वैलफेयर एण्ड चैरिटेबल ट्रस्ट ने ग्राम पंचायत के सहयोग से की थी।

इसके तहत तालाब की खुदाई, गाद निकालना, पत्थर लगाना, चारदीवारी बनाना और पौधे लगाना आदि काम किए गए। इस तरह के स्थायी जल प्रबन्धन से तालाब लम्बे समय तक फंक्शनल बना रहेगा। आज एक उद्घाटन समारोह के दौरान इस नवीनीकृत तालाब को ग्राम पंचायत को सौंपा गया।

इस अवसर पर डाबर इंडिया लिमिटेड के चीफ़ एक्ज़क्टिव आफिसर, मोहित मल्होत्रा ने कहा, ''हमने 2030 तक वॉटर पॉज़िटिव बनने के मिशन के तहत यह पहल की है, इस तरह के प्रयासों के द्वारा हम आने वाली पीढ़ी के लिए पानी को सुरक्षित करना चाहते हैं। डाबर में हम इस बात को समझते हैं कि पर्यावरण की चुनौतियों को हल करने के लिए जल संरक्षण बेहद ज़रूरी है। बद्दी के धरमपुर गांव में तालाब के पुनरुद्धार के साथ हम न सिर्फ जल संरक्षण में योगदान दे रहे हैं बल्कि हमारे स्थानीय समुदायों के लोगों के जीवन एवं आजीविका पर भी सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न कर रहे हैं। इस तरह के प्रयासों से हम ऐसे भविष्य का निर्माण करना चाहते हैं जहां जल को सुरक्षित किया जाए और हमारे समुदाय प्रकृति के साथ तालमेल बनाते हुए आगे बढ़ें।''

डाबर इंडिया लिमिटेड इस क्षेत्र में समाज कल्याण जैसे शिक्षा, कौशल विकास, सेनिटेशन सुविधाओं का निर्माण आदि के लिए सक्रियता से काम करती रही है। ''वह जीवन क्या जो दूसरों के काम न आ सके' डाबर इंडिया लिमिटेड के संस्थापक डॉ एस.के. बर्मन के ये शब्द हमेशा से डाबर को समाज कल्याण के लिए मार्गदर्शन देते रहे हैं। डाबर 1994 से सामुदायिक विकास में सक्रिय है और स्थानीय लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में योगदान देती रही है।

कैश-गिफ्ट, शराब और अन्य संदिग्ध लेन-देन पर रखें कड़ी नजर

प्रचण्ड समय . हमीरपुर

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अमरजीत सिंह ने लोकसभा चुनाव और विधानसभा उपचुनाव के मद्देनजर जिला में लागू आदर्श आचार संहिता की अवधि के दौरान नकदी, अन्य उपहारों, शराब और किसी भी तरह की अन्य संदिग्ध वस्तु के भंडारण, वितरण एवं बड़े पैमाने पर लेन-देन के मामलों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए हैं। शुक्रवार को पुलिस, बैंक, आयकर विभाग, राज्य कर एवं आबकारी विभाग और अन्य संबंधित विभागों के नोडल अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने ये निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला में आदर्श आचार संहिता की अक्षरशः अनुपालना सुनिश्चित करने तथा निर्वाचन प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्वक संपन्न करवाने के लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया गया है तथा इन टीमों के प्रभारी और नोडल अधिकारियों की जवाबदेही तय की गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने राज्य कर एवं आबकारी विभाग के अधिकारियों को जिला में शराब के उत्पादन, भंडारण और वितरण पर कड़ी नजर रखने तथा इसकी रिपोर्ट निर्धारित प्रपत्र पर प्रेषित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आयकर विभाग के अधिकारियों से कहा कि वे वित्तीय लेन-देन के संदिग्ध मामलों, वित्तीय एवं हवाला एजेंटों-दलालों और अन्य एजेंसियों की संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी रखें तथा इनसे संबंधित किसी भी तरह की शिकायत के लिए कंट्रोल रूम को 24 घंटे सक्रिय रखें। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि अगर किसी बैंक खाते से 10 लाख रुपये से अधिक की धनराशि निकाली जाती है या जमा करवाई जाती है तो संबंधित बैंक अधिकारी तुरंत आयकर विभाग के नोडल अधिकारी को सूचित करेगा और आयकर विभाग को उस मामले में त्वरित कार्रवाई करनी होगी। अमरजीत सिंह ने कहा कि आदर्श आचार संहिता की अवधि के दौरान उपहारों के वितरण और इनके माध्यम से मतदाताओं को प्रलोभन देने के मामलों तथा होटलों, मैरिज पैलेस और अन्य सामुदायिक भवनों में आयोजित होने वाले विभिन्न समारोहों में भी उपहारों के वितरण और सामूहिक भोज इत्यादि पर भी कड़ी नजर रखी जाएगी। स्वयं सहायता समूह और सामाजिक संगठन भी इसके दायरे में रहेंगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि बैंकों में होने वाले लेन-देन की रिपोर्ट के लिए जिला अग्रणी प्रबंधक को नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसके लिए जिला कोषाधिकारी सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करें तथा कोषागार को 24 घंटे खुला रखने के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों की डयूटी लगाएं। बैठक में अन्य प्रबंधों पर भी व्यापक चर्चा की गई। बैठक में एसपी पदम चंद, एडीसी मनेश यादव, राज्य कर एवं आबकारी विभाग के उप आयुक्त वरुण कटोच, जिला अग्रणी प्रबंधक लक्ष्मी नारायण काजल, निर्वाचन विभाग के तहसीलदार उपेंद्रनाथ शुक्ला, जिला कोषाधिकारी, आयकर विभाग के अधिकारी और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

यह है आरएस बाली का वह पत्र जिसने खड़े कर दिए कई सवाल

प्रचण्ड समय . शिमला

आदरणीय श्री मल्लिकार्जुन खड़गे जी,
राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी
आदरणीय सर,

मीडिया के माध्यम से मुझे जानकारी मिली है की आगामी संसदीय चुनावो में कांगड़ा संसदीय क्षेत्र से मेरा नाम सर्वे में आया है और केंद्रीय चुनाव समिति में भी इसकी चर्चा हुई है। इसी के चलते मैं इस पत्र के माध्यम से अपने दिल की कुछ बातें आपसे साझा करना चाहता हूं । मेरे पूजनीय पिता विकास पुरुष श्री जीएस बाली जी के लिए ताउम्र आदरणीय मैडम सोनिया गांधी जी उनकी नेता रही है। मैडम ने भी हमेशा से एक बड़ी बहन व नेता की तरह मेरे पिताजी को राजनितिक रूप से मज़बूत करने के लिए हर संभव सहयोग दिया। मैं और मेरा परिवार इस के लिए उनका दिल की गहराइयों से सम्मान करता है।

आजतक, हमारे परिवार का अगर दिल्ली में कोई राजनीतिक रिश्ता रहा, तो वह केवल गांधी परिवार से रहा। मैंने कभी भी चुनावी राजनीति में भाग लेने के बारे में नहीं सोचा, मैंने मात्र एक कार्यकर्ता बन कर कार्य किया। किसी भी पद या टिकट के कभी भी लालसा मन में नहीं रखी व आवेदन भी नहीं किया. राजनीति का मतलब मेरे लिए संगठन और सेवा ही रहे। पिताजी का राजनीती में सहयोग करना ही मेरा एकमात्र लक्ष्य रहा.

महोदय जी, मैंने अपने जीवन के 26 वर्ष कांग्रेस संगठन सेवा को समर्पित किये हैं। मैंने एनएसयूआई में वर्ष 1998 में बतौर कार्यकर्ता कार्य शुरू किया, वर्ष 2004 में हमारे नेता व प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री आदरणीय श्री सुखविंदर सिंह सुक्खू जी, जो उस समय युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष थे, उनके द्वारा मुझे युवा कांग्रेस का प्रदेश महासचिव बनाया गया. इसके उपरांत, 2012 में हमारे राष्ट्रीय नेता आदरणीय श्री राहुल गांधी जी द्वारा शुरू किये गए युवा कांग्रेस के प्रदेश के पहले चुनाव में मैंने भाग लिया और प्रदेश में जीत हासिल की।

युवा कांग्रेस में मेरे कार्य को देखते हुए स्वर्गीय श्री राजीव सातव जी के द्वारा मुझे पूरे देश की युवा कांग्रेस में सर्वश्रेष्ठ - प्रफॉर्मर चयनित कर मेरे काम को युवा कांग्रेस की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सराहा गया. उसके बाद मुझे पीसीसी में शामिल कर पहले प्रदेश सचिव और कुछ वर्षों बाद प्रदेश महासचिव और अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी का सदस्य बनाया गया। मेरे संगठन में लम्बे समय तक कार्य को देखते हुए, वर्ष 2021 में मुझे आदरणीय श्रीमती सोनिया गाँधी जी ने अखिल भारतीय कांग्रेस मी का राष्ट्रीय सचिव बनायाँ ।

कोविड के भयावह दौर में पश्चिम बंगाल में विधानसभा के चुनाव घोषित हुए और उसी समय 27 फ़रवरी 2021 को मुझे पश्चिम बंगाल का सहप्रभारी नियुक्त किया गया. जिसका निर्वैहन करते हुए मैंने सभी विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी का कार्य किया। भारत जोड़ो यात्रा में भी श्री राहुल गाँधी जी के साथ विभिन्न राज्यों में कार्य किया । जिसकी सराहना आदरणीय श्री राहु 'गांधी जी ने भी स्वयं पत्र के माध्यम से की।

श्री जीएस बाली जी के लिए लोगो की सेवा करना ही जीवन का लक्ष्य था और हमारे लिए उनकी खुशी सबसे अहम थी। अपने जीवन में जन सेवा में वह इतने वयस्त रहे की उन्होंने अपने स्वास्थ्य का भी ख्याल नहीं रखा। स्वास्थ्य बिगड़ने के चलते उनका मात्र 67 वर्ष की उम्र में स्वर्गवास हो गया। यह मेरे परिवार को स्तब्ध कर देने वाला समय था । पिता जी के देहांत को वर्ष ही हुआ था कि मेरी माता जी भी पिछले वर्ष 2023 में हमे छोड़ कर चली गई। एक वर्ष से भी कम अंतराल में हमने अपने घर के दौनो मुख्य स्तम्भ खो दिए। इस निराशा के दौर में मेरी विधानसभा क्षेत्र के लोगों ने मुझे व परिवार को माता पिता व भाई-बहन की तरह सहारा दिया, साथ ही मेरे प्रदेश के लाखो लोगो ने परिवार बनकर हमें संभाला व हौसला दिया, जिसके लिए मैं और मेरा परिवार ताउम्र उनका ऋणी रहेगा।

प्रचण्ड समय

महोदय जी, श्री जी एस बाली जी ने वर्ष 2012 में प्रदेश में रोजगार संघर्ष यात्रा की थी जिसे हमारे प्रदेश की जनता का भरपूर प्यार व सहयोग मिला था और उसके बाद 2012 में प्रदेश में कांग्रेस की वापसी हुई थी. उनके इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए मैंने हमारी राष्ट्रीय नेता आदरणीय श्रीमती प्रियंका गाँधी जी व प्रदेश प्रभारी आदरणीय श्री राजीव शुक्ला जी से मिलकर प्रदेश में रोजगार संघर्ष यात्रा शुरू करने का आग्रह किया। मेरे आग्रह को श्रीमती प्रियंका जी ने आशीवाद दिया व इसके उपरान्त मुझे इस यात्रा की कमान सौंपते हुए इसका प्रदेश संजोयक नियुक्त किया गया।

नगरोटा बगवां में आयोजित विशाल रैली में प्रदेश प्रभारी आदणीय श्री राजीव शुक्ला जी की अध्यक्षता में, वर्त्तमान मुख्यमंत्री आदणीय श्री सुखविंदर सिंह सुक्खू जी, वर्तमान उपमुख्यमंत्री आदणीय श्री मुकेश अग्निहोत्री जी सहित सभी विधायक, पीसीसी पदाधिकारी, वरिष्ठ नेताओं व हाई कमान के बहुत से शीर्ष नेताओं की मौजूदगी में इस यात्रा को हरी झंडी दिखाकर मेरे हाथ में मशाल सौंपी गई. श्री राजीव शुक्ला जी ने इस मौके पर, प्रदेश में युवाओं को 5 लाख रोजगार व 680 करोड़ स्टार्टअप योजना के लिए देने का वादा किया। करीब 2 महीने तक सैंकड़ों किलोमीटर चली इस यात्रा में प्रदेश के लाखो लोग जुड़े व जिस-जिस क्षेत्र से यह यात्रा निकली उस एरिया में पार्टी को जीत मिली। प्रदेश में सरकार को सत्ता में लाने में इस यात्रा की भी अहम भूमिका रही. इस यात्रा का समापन आदरणीय श्रीमती प्रियंका गांधी जी के लिए नगरोटा बगवां में आयोजित मेरी विशाल चुनावी रैली से हुआ। मैं पार्टी का शुक्रगुज़ार हूँ की रोज़गार के लिए किये गए इन वादों को कांग्रेस के घोषणा पत्र में शामिल किया गया.

विधानसभा चुनावों में मेरे विधानसभा परिवार ने मुझ पर विश्वास जताते हुए प्रदेश में सबसे अधिक वोट देकर मुझे विजयी बनाया। मैने अपने चुनावो के दौरान विधानसभा का कोई घोषणा पत्र जारी नहीं किया केवल "जो मैं कहता हूं वो मैं करता हूं" के सिद्धांत पर रहा।

अपने इलेक्शन के दौरान, मैने अपनी विधानसभा में 5 हजार रोजगार देने व श्री जीएस बाली जी के समय जो विकास की गंगा ही थी, उसे जारी रखने का संकल्प दोहराया।

हमारे नेता आदरणीय श्री सुखविंदर सिंह सुक्ख जी ने मुझे पर्यटन विभाग के चेयरमैन की ज़िम्मेदारी सौंपी। अपने विभाग में मैने रात-दिन एक कर के प्रदेश में पर्यटन को विकसित करने के लिए कई अहम योजनाएं स्वीकृत कराई है. मेरी एक साल की वह अब ज़मीन पर उतरने वाली है, जिसके महत्व को लोग अब समझ पाएंगे और इसका लाभ प्रदेश की जनता को अब मिलेगा। अपने नगरोटा विधानसभा में भी मुख्यमंत्री जी द्वारा मैंने विभिन्न विभागो के शिलान्यास करवाए व उनसे कई अहम घोषणाएं करवाई. उन कार्यों को भी आगे बढ़ाना ज़रूरी है । पहली बार विधायक बनकर, मात्र एक वर्ष में ही अगर पार्टी मुझे चुनाव लड़ाती है तो मैंने जो अपने नगरोटा बगवां परिवार से वादे किये हैं, उन्हें पूरा करना भी ज़रूरी है. इस सबका भी पहले हमें कोई समाधान निकालना पड़ेगा।

सबसे अहम बात ये है की मेरे लोक सभा चुनाव लड़ने के सम्बन्ध मे किसी ने भी अभी तक मुझसे कोई बात नहीं की है. मेरी प्रार्थमिकता विकास एवं रोजगार है, जो हमारा संकल्प भी है. यह मेरे लिए बहुत संवेदनशील विषय है व पार्टी सहित मेरी विश्वसनीयता से जुड़ा है. मैंने हमेशा पार्टी के हर निर्णय को सम्मान दिया है. इसलिए मैंने पत्र के माध्यम से ये बात आपके ध्यान में लाने का फैसला लिया है. मेरा निवेदन है की आप कोई भी निर्णय लेने से पहले मुझसे बात ज़रूर करेंगे ताकि मैं इस सम्बन्ध में अपने विधानसभा परिवार के साथ बैठ कर निर्णय ले सकू.

आभार सहित
आर एस बाली

Copy to:
Smt Sonia Gandhi ji, Chairperson, UPA
Shri Rahul Gandhi ji, Former President, AICC
Smt Priyanka Gandhi Vadra ji, General Secretary, AICC
Shri KC Venugoapl ji, General Secretary, AICC
Shri Rajiv Shukla ji, State Incharge, Himachal Pradesh
Shri Sukhvinder Singh Sukhu ji, Chief Minister, Himachal Pradesh

नेस्ले के सेरेलैक में ज़्यादा शुगर होने का आरोप, क्या चीनी खाने से बिगड़ जाती है बच्चों की सेहत?

2015 में स्विट्जरलैंड की कंपनी नेस्ले मैगी को लेकर विवादों में आई थी। अब ये कंपनी एक बार फिर से चर्चा में है। आरोप है कि नेस्ले ने बेबी फूड प्रोडक्ट बनाने के मामले में अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन नहीं किया है। स्विट्जरलैंड की एक दूसरी कंपनी पब्लिक आई की एक जांच में कहा गया है कि भारत में नेस्ले बेबी-फूड ब्रांड सेरेलैक जैसे बेबी प्रोडक्ट में ज्यादा चीनी मिलाती है। जबकि, कई अन्य देशों में इस प्रोडक्ट को बिना चीनी के या बहुत कम मात्रा में चीनी डालकर बनाया जाता है, लेकिन भारत में सभी सेरेलैक बेबी प्रोडक्ट्स की हर सर्विंग में 3 ग्राम चीनी है। यह बच्चों में किसी पुरानी बीमारी और मोटापे को को रोकने के लिए बनाए गए अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन है। पब्लिक आई की रिपोर्ट आने के बाद स्वास्थ्य मंत्रालय और FSSAI इस मामले की जांच कर रहा है।

इस बीच

अब यहां बड़ा सवाल यह है कि भारत में तो बच्चे बड़े चाव से सेरेलेक खाते हैं। शहरी इलाकों में तो इसकी डिमांड भी ज्यादा है, लेकिन जो बच्चे कई साल से इसको खा रहे हैं तो क्या उनको कई बीमारियां हो सकती है? आइए इस बारे में एक्सपर्ट्स से जानते हैं।

सेरेलैकखाने से क्या बिगाड़ जाएगी सेहत?

दिल्ली के सफदरजंग हॉस्पिटल में कम्यूनिटी मेडिसिन विभाग में एचओडी प्रोफेसर डॉ जुगल किशोर बताते हैं कि नेस्ले के सेरेलेक में ज्यादा शुगर है या नहीं ये जांच का विषय है। स्वास्थ्य मंत्रालय और FSSAI रिपोर्ट की जांच पूरी करेगी तब सब साफ हो सकेगा।

जहां तक बात इस सवाल कि है कि क्या बच्चों के लिए ज्यादा चीनी खतरनाक है? इस सवाल का जवाब हां है, ज्यादा चीनी बच्चों में कई प्रकार की बीमारियों के खतरे को बढ़ाती है। अधिक चीनी खाने की वजह से शरीर में इंसुलिन रेजिस्टेंस हो सकता है। इससे बॉडी में ग्लूकोज भी ज्यादा बनता है। ये समस्याएं मोटापे और डायबिटीज का कारण बन सकती हैं।

प्रचण्ड समय

देखा भी जाता है कि जो बच्चे मोटापे का शिकार होते हैं उनमें टाइप 2 डायबिटीज के मामले ज्यादा देखे जाते हैं। मोटापा बढ़ने का एक बड़ा कारण डाइट में ज्यादा शुगर होता है। जिन बच्चों का लाइफस्टाइल खराब है और डाइट में चीनी ज्यादा है तो उनको डायबिटीज होने का खतरा सामान्य बच्चों की तुलना में कई गुना अधिक होता है।

डॉ जुगल किशोर बताते हैं कि ज्यादा चीनी बच्चों के हार्मोन के फंक्शन को भी खराब कर सकती है। कुछ बच्चों में चीनी की ज्यादा सेवन उनकी इम्यूनिटी को भी कमजोर कर देता है। इससे बच्चे आसानी से किसी भी प्रकार के संक्रमण का शिकार हो जाते हैं। कई स्टडी में यह भी बताया गया है कि चीनी के अधिक सेवन से ब्रेन के फंक्शन पर असर पड़ता है। इससे बच्चे डिप्रेशन जैसी खतरनाक बीमारी का शिकार हो जाते हैं।

छोटे बच्चे के लिए खतरनाक

दिल्ली के लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ एलएच घोटेकर बताते हैं कि ज्यादा चीनी छोटे बच्चे (3 साल से छोटे) बच्चों के लिए खतरनाक है। ऐसे बच्चों में चीनी का ज्यादा सेवन बच्चे की शारीरिक और मानसिक सेहत को बिगाड़ सकता है। माता-पिता को कोशिश करनी चाहिए कि छोटे बच्चों को किसी भी प्रकार का पैक फूड न दें। छोटे बच्चे के लिए मां का दूध सबसे बेस्ट है। इससे हर प्रकार का पोषण बच्चे को मिलता है।

शुगर इंटेक को कैसे करें कंट्रोल

डॉ घोटेकर बताते हैं कि माता-पिता को बच्चों को किसी भी रूप में ज्यादा चीनी नहीं देनी चाहिए।

बच्चे जो चीजें खा रहे हैं उनमें शुगर कंटेट कितना है ये भी देखने की जरूरत है। बच्चों को सिखाना चाहिए कि वह पैक फूड न खाएं और जंक व प्रोसेस्ड फूड का सेवन भी सीमित करें और इसके बजाय घर का खाना खाएं।

क्यों देश में तेजी से बढ़ रहे हैं लिवर ट्रांसप्लांट के मामले? क्या बिगड़ता खानपान है इसका कारण?

2015 में स्विट्जरलैंड की कंपनी नेस्ले मैगी को लेकर विवादों में आई थी। अब ये कंपनी एक बार फिर से चर्चा में है। आरोप है कि नेस्ले ने बेबी फूड प्रोडक्ट बनाने के मामले में अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन नहीं किया है। स्विट्जरलैंड की एक दूसरी कंपनी पब्लिक आई की एक जांच में कहा गया है कि भारत में नेस्ले बेबी-फूड ब्रांड सेरेलैक जैसे बेबी प्रोडक्ट में ज्यादा चीनी मिलाती है। जबकि, कई अन्य देशों में इस प्रोडक्ट को बिना चीनी के या बहुत कम मात्रा में चीनी डालकर बनाया जाता है, लेकिन भारत में सभी सेरेलैक बेबी प्रोडक्ट्स की हर सर्विंग में 3 ग्राम चीनी है। यह बच्चों में किसी पुरानी बीमारी और मोटापे को को रोकने के लिए बनाए गए अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन है। पब्लिक आई की रिपोर्ट आने के बाद स्वास्थ्य मंत्रालय और FSSAI इस मामले की जांच कर रहा है।

इस बीच अब यहां बड़ा सवाल यह है कि भारत में तो बच्चे बड़े चाव से सेरेलेक खाते हैं। शहरी इलाकों में तो इसकी डिमांड भी ज्यादा है, लेकिन जो बच्चे कई साल से इसको खा रहे हैं तो क्या उनको कई बीमारियां हो सकती है? आइए इस बारे में एक्सपर्ट्स से जानते हैं।

सेरेलैकखाने से क्या बिगाड़ जाएगी सेहत?

दिल्ली के सफदरजंग हॉस्पिटल में कम्यूनिटी मेडिसिन विभाग में एचओडी प्रोफेसर डॉ जुगल किशोर बताते हैं कि नेस्ले के सेरेलेक में ज्यादा शुगर है या नहीं ये जांच का विषय है। स्वास्थ्य मंत्रालय और FSSAI रिपोर्ट की जांच पूरी करेगी तब सब साफ हो सकेगा।

जहां तक बात इस सवाल कि है कि क्या बच्चों के लिए ज्यादा चीनी खतरनाक है? इस सवाल का जवाब हां है, ज्यादा चीनी बच्चों में कई प्रकार की बीमारियों के खतरे को बढ़ाती है। अधिक चीनी खाने की वजह से शरीर में इंसुलिन रेजिस्टेंस हो सकता है। इससे बॉडी में ग्लूकोज भी ज्यादा बनता है। ये समस्याएं मोटापे और डायबिटीज का कारण बन सकती हैं।

देखा भी जाता है कि जो बच्चे मोटापे का शिकार होते हैं उनमें टाइप 2 डायबिटीज के मामले ज्यादा देखे जाते हैं। मोटापा बढ़ने का एक बड़ा कारण डाइट में ज्यादा शुगर होता है। जिन बच्चों का लाइफस्टाइल खराब है और डाइट में चीनी ज्यादा है तो उनको डायबिटीज होने का खतरा सामान्य बच्चों की तुलना में कई गुना अधिक होता है।

डॉ जुगल किशोर बताते हैं कि ज्यादा चीनी बच्चों के हार्मोन के फंक्शन को भी खराब कर सकती है। कुछ बच्चों में चीनी की ज्यादा सेवन उनकी इम्यूनिटी को भी कमजोर कर देता है। इससे बच्चे आसानी से किसी भी प्रकार के संक्रमण का शिकार हो जाते हैं। कई स्टडी में यह भी बताया गया है कि चीनी के अधिक सेवन से ब्रेन के फंक्शन पर असर पड़ता है। इससे बच्चे डिप्रेशन जैसी खतरनाक बीमारी का शिकार हो जाते हैं।

छोटे बच्चे के लिए खतरनाक

दिल्ली के लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ एलएच घोटेकर बताते हैं कि ज्यादा चीनी छोटे बच्चे (3 साल से छोटे) बच्चों के लिए खतरनाक है। ऐसे बच्चों में चीनी का ज्यादा सेवन बच्चे की शारीरिक और मानसिक सेहत को बिगाड़ सकता है। माता-पिता को कोशिश करनी चाहिए कि छोटे बच्चों को किसी भी प्रकार का पैक फूड न दें। छोटे बच्चे के लिए मां का दूध सबसे बेस्ट है। इससे हर प्रकार का पोषण बच्चे को मिलता है।

शुगर इंटेक को कैसे करें कंट्रोल

डॉ घोटेकर बताते हैं कि माता-पिता को बच्चों को किसी भी रूप में ज्यादा चीनी नहीं देनी चाहिए। बच्चे जो चीजें खा रहे हैं उनमें शुगर कंटेट कितना है ये भी देखने की जरूरत है। बच्चों को सिखाना चाहिए कि वह पैक फूड न खाएं और जंक व प्रोसेस्ड फूड का सेवन भी सीमित करें और इसके बजाय घर का खाना खाएं।

क्या एक से दूसरी जनरेशन में फैलता है ब्लड कैंसर? एक्सपर्ट्स से जानें

कैंसर एक गैर संक्रामक बीमारी है, लेकिन फिर भी भारत में हर साल इसके मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। पुरुषों में लंग्स और प्रोस्टेट कैंसर और महिलाओं में ब्रेस्ट और सर्वाइकल कैंसर के मामलों में हर साल इजाफा होता जा रहा है। कैंसर के मामले में सबसे ज्यादा खतरनाक बात यह है कि आज भी इस बीमारी से मौत का आंकड़ा कम नहीं हो रहा है। ये बीमारी शरीर के किसी भी हिस्से में हो जाती है। अगर किसी व्यक्ति के खून में ही कैंसर हो गया है तो इसको ब्लड कैंसर कहा जाता है। यह कैंसर बड़ों से लेकर बच्चों तक को भी शिकार बनाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के मुताबिक, बीते 20 सालों में दुनियाभर में ब्लड कैंसर के केस 23 फीसदी तक बढ़े हैं। इस बीच यह सवाल भी उठता है कि क्या ये कैंसर एक से दूसरी जनरेशन में भी जाता है? आइए इस बारे में एक्सपर्ट्स से जानते हैं।

ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ। पवन कुमार का कहना है कि कई तरह के कैंसर जेनेटिक हो सकते हैं। उदाहरण के तौर पर ब्रेस्ट कैंसर के एक से दूसरी जनरेशन में जाने का रिस्क रहता है। जहां तक बात ब्लड कैंसर की है तो इसके जेनेटिक होने की आशंका नहीं होती है। ब्लड कैंसर तब होता है जब बॉडी में ब्लड सेल्स की कमी हो जाती है। अगर ये कमी बचपन में ही होती है तो कम उम्र में ही ब्लड कैंसर हो सकता है। ऐसे में यह जरूरी नहीं है कि माता-पिता को ब्लड कैंसर है तो बच्चे को भी हो सकता है। हालांकि ब्लड कैंसर जेनेटिक म्यूटेशन से हो सकता है, लेकिन इसके एक से दूसरे जनरेशन में जाने का रिस्क नहीं होता है।

कैसे करें पहचान

डॉ कुमार कहते हैं कि माता-पिता को अगर ब्लड कैंसर है और वह ये जानना चाहते हैं कि ये कैंसर बच्चे को तो नहीं है तो इसके लिए टेस्ट किया जाता है। इसमें जीनोम सीक्वेंसिंग से। एनजीएस (नेक्स्ट जनरेशन सीक्वेंसिंग) के माध्यम से किसी भी तरह की बीमारी के जेनेटिक की पहचान हो जाती है। हालांकि माता-पिता से बच्चे में ब्लड कैंसर का रिस्क नहीं होता है, लेकिन फिर भी किसी अन्य प्रकार की जेनेटिक डिजीज की समय पर पहचान के लिए ये टेस्ट करा लें।

ब्लड कैंसर के लक्षण

कमजोरी महसूस होना
हमेशा थकावट बने रहना
अचानक से वजन का कम होना
अगर चोट लग गई है तो खून का न थमना

कैसे करें बचाव

खानपान का ध्यान रखें
कोई लक्षण दिखे तो डॉक्टर से सलाह लें
जीनोम टेस्ट करा लें
शराब का सेवन और धूम्रपान से बचें

देखो क्रैक का डेडली एक्शन, ओटीटी पर विद्युत का जबरदस्त अंदाज, जानिए कब-कहां देख सकेंगे

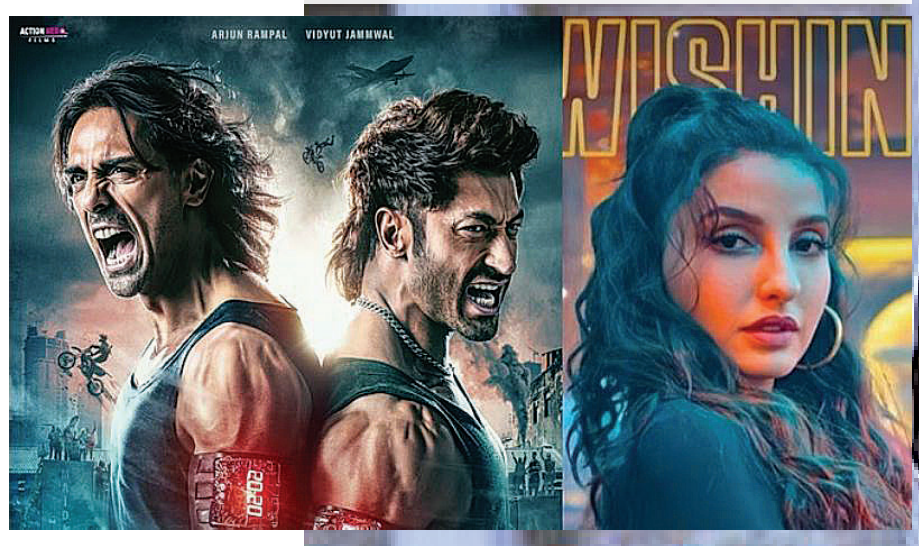

मुंबई. कमांडो 2 की आपार सफलता के बाद निर्देशक आदित्य दत्त और अभिनेता विद्युत जामवाल की जोड़ी फिल्म 'क्रैक' के लिए फिर से साथ आई। फिल्म 'क्रैक जीतेगा तो जिएगा' 23 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। सिनेमाघरों में इस फिल्म की सफलता के बाद अब इसे ओटीटी पर रिलीज किया जा रहा है। जानिए कब और किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आप घर बैठे फिल्म 'क्रैक' देख पाएंगे।

फिल्म की कहानी

एक्शन पैक्ड फिल्म 'क्रैक' की कहानी सिद्धार्थ दीक्षित अक्का सिद्धू (विद्युत जामवाल) के इर्द गिर्द घूमती नजर आएगी। जिसको अपने जीवन में सिर्फ और सिर्फ स्पोर्ट्स और स्टंट के लिए जुनून सवार रहता है। अगर आपने यह फिल्म सिनेमाघर में देखनी मिस कर दी है तो अब आप इसे घर बैठे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आसानी से देख सकेंगे।

ओटीटी पर रिलीज होगी फिल्म

विद्युत जामवाल ने अपने फैंस को 'क्रैक' की ओटीटी रिलीज की जानकारी देकर खुश कर दिया है। विद्युत जामवाल, नोरा फतेही, अर्जुन रामपाल और एमी जैक्सन से सजी इस फिल्म को आप 26 अप्रैल को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देख सकेंगे। बिना किसी दिक्कत के आप इस फिल्म को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर आसानी से देख पाएंगे।

कहां देख सकते हैं फिल्म

विद्युत ने अपनी सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर फिल्म की ओटीटी रिलीज के बारे में जानकारी दी। साथ ही अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, ''इंडिया की पहली एक्सट्रीम स्पोर्ट्स एक्शन फिल्म के लिए अब डिजनी प्लस हॉटस्टार का मैदान खुल गया है। देखो क्रैक का डेडली एक्शन। अप्रैल 26 से।''

फिल्म 'क्रैक' की ओटीटी रिलीज की अनाउंसमेंट के बाद फैंस इस फिल्म को देखने के लिए काफी बेताब नजर आ रहे हैं। अगर आपने अभी तक 'क्रैक' को नहीं देखा तो ये आपके पास एक खास मौका है। 'क्रैक' एक स्पोर्ट्स एडवेंचर एक्शन थ्रिलर है, जिसमें खलनायक की भूमिका में अर्जुन रामपाल नजर आए। अपने स्टंट सीक्वेंस से विद्युत ने दर्शकों का बखूबी दिल जीता।

प्रचण्ड समय

पेरेंट्स बनने वाले हैं मसाबा-सत्यदीप, संदीप रेड्डी वंगा ने आदिल हुसैन पर किया पलटवार

मुंबई. एक्ट्रेस और फैशन डिजाइनर मसाबा गुप्ता ने बीते साल 2023 में एक्टर सत्यदीप मिश्रा के साथ शादी हुई थी। अब इस कपल ने माता-पिता बनने की घोषणा की है। आदिल हुसैन ने कहा था कि फिल्म 'कबीर सिंह' करने का उन्हें पछतावा है। फिल्म के डायरेक्टर संदीप रेड्डी वंगा ने कहा है कि आदिल हुसैन को कास्ट करने का उन्हें पछतावा है। आइए जानते हैं कि किन खबरों ने सुर्खियों में जगह बनाई है।

पेरेंट्स बनने वाले हैं मसाबा-सत्यदीप

एक्ट्रेस और फैशन डिजाइनर मसाबा गुप्ता ने बीते साल 2023 में एक्टर सत्यदीप मिश्रा के साथ शादी हुई थी। अब इस कपल ने माता-पिता बनने की घोषणा की है। मसाबा गुप्ता और सत्यदीप मिश्रा ने अपने-अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर कर ये खुशखबरी दी है। इस कपल को सेलिब्रिटीज और कपल बधाई दे रहे हैं। बताते चलें कि मसाबा गुप्ता और सत्यदीप मिश्रा दोनों की दूसरी शादी थी।

संदीप रेड्डी वंगा ने आदिल हुसैन पर किया पलटवार

डायरेक्टर संदीप रेड्डी वंगा की फिल्म 'कबीर सिंह' में आदिल हुसैन ने काम किया था। आदिल हुसैन ने एक इंटरव्यू में कहा था कि फिल्म 'कबीर सिंह' को करने का उन्हें पछतावा है। इस पर संदीप रेड्डी वंगा ने पलटवार करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा है कि उन्हें आदिल हुसैन को कास्ट करने का पछतावा है और अब उनका चेहरा एआई से रिप्लेस कर देंगे।

सलमान खान के घर पहुंची शिल्पा शेट्टी

सलमान खान के घर पर 14 अप्रैल को बाइक सावर दो लोगों ने फायरिंग की थी। इन दोनों हमलावरों को 16 अप्रैल को गिरफ्तार कर लिया गया था। सलमान खान के घर पर फायरिंग की घटना के बाद अब गुरुवार को शिल्पा शेट्टी उनके घर पहुंचीं। शिल्पा शेट्टी के साथ उनकी मां भी नजर आईं। शिल्पा शेट्टी का सोशल मीडिया पर तेजी से वीडियो वायरल हो रहा है।

अथिया शेट्टी ने पति केएल राहुल को किया बर्थडे विश

एक्ट्रेस अथिया शेट्टी के पति और भारतीय क्रिकेटर केएल राहुल अपना जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर केएल राहुल की पत्नी अथिया शेट्टी ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। अथिया शेट्टी ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर केएल राहुल के साथ की दो तस्वीरें शेयर की हैं। इसके साथ अथिया शेट्टी ने लिखा है, 'मेरी पूरी लाइफ के लिए मेरा पूरा दिल, जन्मदिन मुबारक हो मेरे सबकुछ।'

मेट्रो इन दिनों की रिलीज डेट बदली

मुंबई. डायरेक्टर अनुराग बसु की फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' की रिलीज डेट बदल गई है। इस तरह से फिल्म को देखने के लिए उत्साहित फैंस को अभी और इंतजार करना पड़ेगा। आदित्य रॉय कपूर और सारा अली खान स्टारर मेट्रो इन दिनों अब 29 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में आदित्य रॉय कपूर और सारा अली खान के अलावा अन्य कई स्टार्स नजर आने वाले हैं।

सलमान खान का दुबई से वीडियो वायरल

सलमान खान के घर पर 14 अप्रैल को हवाई फायरिंग हुई थी। इस मामले में पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी बीच सलमान खान कड़ी सुरक्षा के बीच दुबई पहुंचे हैं और उनका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। बताते चलें कि सलमान खान अपने 'बीइंग स्ट्रॉन्ग' यानी जिम इक्विपमेंट के लिए दुबई पहुंचे हैं। सलमान खान का ये ब्रांड दुबई में उपलब्ध होगा।

स्वामी, संपादक, प्रकाशक एवं मुद्रक अश्वनी वर्मा- पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार। साई कुंज, नॉर्थ ओक, संजौली, शिमला, हिमाचल प्रदेश- 171006 से प्रकाशित और डीबी कॉर्प लिमिटेड, जीटी रोड, निकट बस स्टैंड सुभानपुर, हमीरा, जिला कपूरथला, पंजाब- 144802 द्वारा मुद्रित।